राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 22 अगस्त 2024 वर्ष–7,अंक–209 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

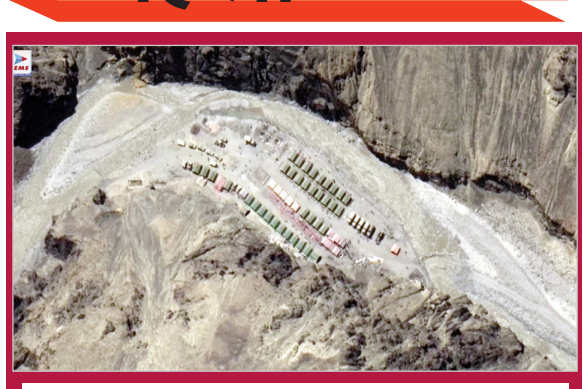

एलएसी पर चीनी सेना ने बनाई 6 नई हेलीस्ट्रिप

-सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ खुलासा

नई दिल्ली । चीन ने फिर से बॉर्डर पर साजिश रचना शुरू किया है। लद्दाख से लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की सेना ने 6 नई हेलीस्ट्रिप बनाई है। सैटेलाइट तस्वीरों के द्वारा इसका खुलासा हुआ है। जहां हेलीस्ट्रिप बनाई गई है, वे वेस्टर्न तिब्बत में मौजूद है। लद्दाख के डेमचोक से इन हेलीस्ट्रिप की दूरी 100 मील है, इस कारण खतरा और भी ज्यादा बढ़ जाता है। फिलहाल भारत सरकार की ओर से मुद्दे पर कोई जवाब नहीं आया है। गेयायी नाम की जगह पर हेलीस्ट्रिप को बनाया है। यहां पर अभी कंस्ट्रक्शन का काम पूरा नहीं हुआ है। हेलीस्ट्रिप बनाने की शुरुआत अप्रैल, 2024 में हुई थी। तस्वीरों से पता चलता है कि यहां पर 6 हेलीस्ट्रिप तैयार की जा रही है। इसका मतलब है कि यहां सिर्फ 1 या 2 हेलीकॉप्टर नहीं, बल्कि आधा दर्जन से एक दर्जन हेलीकॉप्टर एक साथ तैनात हो सकते हैं। यह लद्दाख के डेमचोक से सिर्फ 100 मील और उत्तराखंड के बाराहोती से 120 मील दूर है। डेमचोक भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच संघर्ष क्षेत्र रहा है। चीन की सेना अक्सर ही एलएसी के करीब हेलीपैड या कंस्ट्रक्शन करती रही है। पिछले कुछ सालों में कई सारी सड़कों का निर्माण भी इस इलाके में किया है। भारत ने भी लद्दाख के करीब चीनी हिस्से पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है।

एआई से सुप्रीम कोर्ट के 36000 फैसलों का हिंदी में अनुवाद

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के 36271 फैसलों का एआई तकनीकी के माध्यम से हिंदी में अनुवाद किया गया है। एआई तकनीकी का उपयोग कर अन्य प्रादेशिक भाषाओं में भी अनुवाद किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के 17142 अदालती फैसलों का अनुवाद 16 प्रादेशिक भाषाओं में कराया गया है। प्रारंभिक तौर में इस तकनीकी के माध्यम से जो अनुवाद कराया गया था। उसमें कुछ गड़बड़ियां थी। बाद में इसमें सुधार किया गया। 2023 से अदालतों के अंदर जो मौखिक बहस होती है। उसको भी रिकॉर्ड एआई तकनीकी के माध्यम से किया जा रहा है। शुरुआती दौर में शब्दों के नहीं होने और कानूनी भाषा के शब्द नहीं होने के कारण कुछ समस्याएं आई थी। लेकिन अब उन्हें दूर कर लिया गया है। हिंदी और अंग्रेजी के शब्दों के मायने भी एआई तकनीकी में शामिल किये गए हैं। उसके बाद इसका प्रदर्शन और भी बेहतर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने एक ट्रांसलेशन कमेटी बनाई है। एआई तकनीकी के माध्यम से जो प्रयोग किये जा रहे हैं। उसकी लगातार जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में इस तकनीकी के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओं में सुप्रीम कोर्ट के फैसले, कोर्ट में होने वाली बहस इत्यादि का रिकॉर्ड तैयार हो सकेगा। न्यायालयों के काम में भी पारदर्शिता बढ़ेगी।

14 साल बाद भारत में मिला पोलियो का मामला.....डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट किया

नई दिल्ली । 14 साल बाद पोलियो ने भारत को फिर डराया है। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले के दूरदराज गांव में दो साल के बच्चे में पोलियो के लक्षण मिले है। भारत आधिकारिक तौर पर 2014 से पोलियो मुक्त राज्य है। पोलियो का अंतिम मामला 2011 में सामने आया था। नए मामले के सामने आने के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अलर्ट जारी किया है। भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने और संभावित मामलों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा टीकाकरण अभियान भी तेज कर दिया गया है। मेघालय और असम के आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सावधानी रखी जा रही है, ताकि और कोई बच्चा पोलियो का शिकार ना हो पाए। भारत ने पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। एक समय था जब भारत में पोलियो के मामले काफी अधिक थे, लेकिन 2014 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को पोलियो-मुक्त देश घोषित कर दिया। इसका मतलब है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में पोलियो का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम- इस कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाए गए।

अलर्ट रहने की जरूरत

हालांकि भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन पोलियो वायरस का खतरा अब भी बना हुआ है। इसलिए, पोलियो के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार जारी हैं, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाए। पोलियो-मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए सतर्कता और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है, और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्यरत है। दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो वायरस अभी भी सक्रिय है, इसलिए सतर्कता और सावधानी की जरूरत है।

आज मनाया जाएगा पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

चंद्रयान-3 मिशन ने रचा था इतिहास

नई दिल्ली।

अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वर्ष इसी दिन चंद्रयान-3 मिशन के दौरान चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग हुई थी। इस वर्ष के उत्सव का विषय चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना- भारत की अंतरिक्ष गाथा है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित मुख्य समारोह का उद्घाटन करेंगी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, पिछले साल इसी दिन भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से में चंद्रयान-3 उतारकर इतिहास रचा था। यह हमारा पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है। यह न केवल जश्न मनाने का दिन है, बल्कि आत्मचिंतन और भविष्य की रूपरेखा तैयार करने का भी दिन है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमने कार्यक्रम को इसी के अनुसार तैयार करने और इसे भविष्य की दृष्टि से अकादमिक दृष्टिकोण देने का प्रयास किया है। यह नागरिकों को अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्धियों से अवगत कराने का भी अवसर है। एक तरह से यह ऐसा अवसर है जो हर नागरिक के दिल को छूता है। नई नीति आने और अंतरिक्ष क्षेत्र के उदारीकरण के साथ, हमने पिछले 3-4 वर्षों में इस क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है। जैसा कि वित्त मंत्री ने बजट में घोषणा की है, हम अगले 10 वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में 5 गुना वृद्धि करेंगे।

राजस्थान के शेखावाटी में दिखा बंद का व्यापक असर

जयपुर ।

आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के विरोध में बुधवार को भारत बंद का ऐलान शेखावाटी में भी दिखा। झुंझुनूं, सीकर, चूरू और नीमकाथाना जिले में भी घोषित भारत बंद का व्यापक असर देखा गया। इन चारों जिलों में बंद समर्थक सुबह से सड़कों पर उतरे और दिन भर प्रदर्शन किया। इस दौरान बाजार बंद रहे, सड़कों पर भी आवाजाही न के बराबर दिखी। मुख्य सड़कों पर स्थित दुकानदारों ने स्वत ही अपने प्रतिष्ठान नहीं खोले हैं। हालांकि गलियों के अंदर कुछ छोटी-मोटी दुकान जरूर खुली हुई है। अधिकांश जगहों पर स्वत- ही यहां पर प्रतिष्ठान बंद है जिसके चलते अभी तक स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। शहरों की सड़कें सुनी रही। इधर, अंचल के सभी जिलो में सावधानी के तौर पर प्रशासन ने शिक्षण संस्थाओं में अवकाश घोषित कर दिया है। प्रशासन के द्वारा धारा 163 भी लागू की गई। शराब की दुकानें भी सरकारी आदेश से बंद रहे। कांग्रेस ने भी बंद को समर्थन दिया। कांग्रेस नेता अमित ओला ने कहा कि भाजपा सरकार षड्यंत्रपूर्वक आईएएस रैंक के अधिकारियों की भर्ती करने जा रही है, जिसमें अनसूचित जाति-अनसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का उल्लंघन हो रहा है। जो पूरी तरह से आरक्षित वर्गों के साथ अन्याय है। इस बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर,पुलिस बल हर सड़क पर तैनात रहा। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी हो रही।

भारत बंद-यूपी में दिखा असर, सपा-बसपा और भीम आर्मी के कार्यकर्ता उतरे सड़कों पर, हाईवे किया जाम

लखनऊ।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले को लेकर यूपी के अलग-अलग जिलों में सपा, बसपा, कांग्रेस और भीम आर्मी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान कई जिलों में हाईवे जाम करने तथा रेलवे ट्रैक पर बैठकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा। बंद के आहवान को देखते हुए जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक के अधिकारी हाई अलर्ट पर रहे।

इस दौरान कानून व्यवस्था को लेकर यूपी डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंट्रोल रूम से खुद तैयारियों को परखा। अधिकारियों ने बंद की आड़ में हिंसा करने की साजिश करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटने का निर्देश दिया। डीजीपी ने बताया कि बंद को शांतिपूर्ण एवं प्रजातांत्रिक तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस मुस्तैद हैं। फिलहाल पूरे प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है और संगठनों के ज्ञापन अधिकारियों द्वारा लिए जा रहे हैं।

डीजीपी मुख्यालय द्वारा जिलों को आठ कंपनी केंद्रीय सुरक्षा बल मुहैया कराया गया है। विभिन्न जिलों से मिली जानकारी के अनुसार अयोध्या में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कई संगठनों ने प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी, आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी के प्रदर्शन को संभालने के लिए सिविल पुलिस के साथ सीआरपीएफ सड़क पर उतरी। सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह व सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा ने की रोकने की कोशिश की। समाजवादी पार्टी गुलाबबाड़ी से जुलूस लेकर शहर में निकली तो भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी ने कचहरी गेट पर प्रदर्शन किया। पुलिस व सीआरपीएफ ने बीच में ही रोका जुलूस। तीनों संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा को सौपा ज्ञापन। संगठनों का दलित आरक्षण में छेड़छाड़ ना करने की मांग। आजाद समाज पार्टी ने कहा कि फैसला ना हुआ वापस तो दिल्ली में होगा आंदोलन।

सुल्तानपुर में भारत बंद के आह्वान का मिला जुला असर रहा। शहर में अधिकांश दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान खोले। आरक्षण का विरोध कर रहे दलित संगठनों व पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने दुकानें बंद कराने को लेकर नोकझोंक भी की। पुलिस वालों ने किसी तरह उन्हें शांत कराया। भीम आर्मी, बसपा सहित कई दलित संगठन व पार्टियों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बुधवार को आवास विकास कॉलोनी में इकट्ठा हुए।

दिल्ली से लौटते ही चंपाई सोरेन ने किया बड़ा ऐलान

-नई पार्टी बनाने का फैसला

रांची।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता चंपाई सोरेन दिल्ली से लौट आए हैं और इसी के साथ उन्होंने बड़ा ऐलान भी कर दिया है। दरअसल उन्होंने घोषणा कर दी हे कि अब वो राजनीति से संन्यास लेने की बजाय एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगे और फिर अपने विरोधियों को चुनौती देंगे।

गौरतलब है कि पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने हाल ही में एक ट्वीट करके सियासी गलियारे में हलचल मचा दी थी। सभी इस सोच में डूब गए थे कि आखिर चंपाई का अगला कदम क्या होगा? अब दिल्ली से लौटे चंपाई सोरेन ने तमाम कयासों को विराम लगाते हुए घोषणा कर दी है कि वो राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे और नई राजनीतिक दल का गठन करेंगे। इसी के साथ उन्होंने गठबंधन के लिए भी दरवाजे खोल रखे हैं। चंपाई सोरेने ने अपने एक बयान में कहा कि मेरे सामने तीन विकल्प थे। एक रिटायरमेंट ले लिया जाए, दूसरा संगठन या और अंतिम दोस्त। ऐसे मैं रिटायर तो नहीं होऊंगा। मैं नई पार्टी बनाउंगा और पार्टी को मजबूत करूंगा। इसी के साथ चंपाई सोरेन अब बैकफुट की राजनीति करने की बजाय फ्रंट में रहते हुए राजनीति करने का निर्णय ले चुके हैं।

दिल्ली से लौटे चंपाई ने सभी समर्थकों से मुलाकात के बाद एक अलग संगठन खड़ा करने की घोषणा कर दी है। उनका कहना है कि सप्ताह भर के भीतर पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी।

अमेरिका के दौरे पर जा रहे राजनाथ..... जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन मुख्य मुददा

नई दिल्ली ।

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका जाएंगे। वे अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन के निमंत्रण पर अमेरिका जा रहे है। इस दौरान वे अमेरिकी रक्षा सचिव के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग की मजबूती पर चर्चा होगी। इसके अलावा रक्षा मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक जेक सुलविन से मुलाकात करने वाले है।

पीएम मोदी की न्यूयॉर्क यात्रा से पहले रक्षा मंत्री सिंह का अमेरिका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा अमेरिका दौरे से दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के व्यापक होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री श्री सिंह भारतीय समुदाय से भी बातचीत कर सकते है।

सूत्रों का कहना है कि अपने दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को

अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी।

भारत बंद : बिहार के आरा में ट्रेन रोकी गई.....पूर्णिया में सड़क पर आगजनी

पटना ।

सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के खिलाफ दलित संगठनों की ओर से बुधवार को भारत बंद बुलाया गया है। बंद के दौरान बिहार के जहानाबाद में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक हुई है। पटना महेंद्रु इलाके प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे हैं। यहां पुलिस के सामने जबरन दुकानें बंद कराई जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने पूर्णिया में सड़क पर आगजनी की गई है। आरा, सहरसा में भी बंद का असर दिखाई दे रहा है। आरा रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने 01663 रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस ट्रेन को रोका है। प्रदर्शनकारी ट्रैक पर बैठे हुए हैं। सहरसा में डेड बॉडी ले जा रहे एक एंबुलेंस को रोक दिया गया। इधर, दरभंगा में बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को रोक दिया गया है। प्रदर्शनकारी ट्रेन पर चढ़कर केंद्र के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। इस प्रदर्शन को देखते हुए बिहार पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। सुरक्षा को लेकर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। यातायात व्यवस्था को लेकर जगह-जगह ट्रैफिक सिपाही लगाए गए हैं।

कानपुर ट्रेन हादसा साजिश है या हादसा, जांच में जुटी चार एजेंसियां

90 की स्पीड में भारी चीज से टकराई ट्रेन डिरेल हो गई

कानपुर।

कानपुर में ट्रेन हादसे के चार एजेंसियों ने साजिश के सबूत जुटाने में जुटी हैं। लखनऊ और कानपुर की फोरेंसिक टीम, एटीएस, एसआईटी चीफ और आईबीने पांच घंटे तक चार सौ मीटर के दायरे में जांच पड़ताल की। ट्रैक, बोल्डर और खराब हुई पटरियों को भी मापा।

इंजन के ब्लैक बॉक्स की जांच में सामने आया कि हादसे के वक्त साबरमती एक्सप्रेस 90 किमी प्रतिघंटे की स्पीड से दौड़ रही थी। ड्राइवर ने जांच एजेंसियों को बताया कि 30 मीटर दूर से उसे कोई भारी चीज पटरी पर रखी दिखी। इससे टकराने और इमरजेंसी ब्रेक लगाने से ट्रेन डिरेल हो गई। साबरमती के इंजन को इलेक्ट्रिक लोको शेड में टेक्निकल मुआयने के लिए भेजा है। इंजन के कैटल कैचर पर कुछ इंप्रेशन मिले थे। ये इंप्रेशन कितने हार्ड ऑब्जेक्ट कितनी भारी चीज से टकराया है? यह जांच करने के लिए फोरेंसिक टीम इलेक्ट्रिक लोकोशेड भी गई। जहां कैटल कैचर की जांच की गई।

एसआईटी चीफ ने कहा कि ट्रेन के ड्राइवर और असिस्टेंट लोको पायलट ने बताया कि ट्रेन भारी चीज से टकराई और डिरेल हो गई। जब ड्राइवर के दावों की जांच की गई तो घटना वाली जगह ऐसी कोई भारी चीज नहीं मिली, जो ट्रेन से टकराई हो। लोको पायलट यह नहीं बता सका कि क्या भारी वस्तु रखी थी। उसे जांच एजेंसी ने नोटिस जारी किया है। जांच एजेंसियों ने कई सबूत जुटाए हैं। फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगा। जांच टीम को मौके पर एक बोल्डर और क्लैंप मिला। उसे क्लैंप के जरिए पटरी पर बंधवाने की कोशिश की। घंटेभर की कोशिश के बाद भी बोल्डर उसी क्लैंप के सहारे पटरी पर नहीं बांधा जा सका। जांच टीम को हादसे वाली जगह से करीब 120 मीटर दूर ओवरब्रिज के नीचे कुछ और बोल्डर जमीन में धंसे मिले। इन पर जंग लगे थे। पुलिस का दावा है कि कई दिनों से रेलवे ट्रैक पर काम हो रहा था। इसलिए वहां रेलकर्मी की लापरवाही ये सामान छूट गया होगा। नौ सीसीटीवी कैमरों की अभी भी जांच की जा रही है। ट्रेन हादसे के बाद से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे साजिश बताते हुए इसकी जांच का आदेश दिया था। फोरेंसिक की रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगा। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस इसे साजिश मानकर जांच में जुटी हैं।

संपादकीय

लेटरल एंट्री पर रोक

केंद्र सरकार ने यूपीएससी द्वारा संयुक्त सचिव और उप-सचिव स्तर के 45 पदों पर सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) की प्रक्रिया को रोकने का जो निर्देश दिया है, उसके गहरे वैधानिक-राजनीतिक निहितार्थ हैं। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की चेयरपर्सन को लिखे अपने खत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जिन चिंताओं का जिक्र किया है, वे वाजिब चिंताएं हैं। देश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान सामाजिक न्याय पर आधारित है और उसका लक्ष्य प्रशासनिक ढांचे में सभी वर्गों की सहभागिता और समावेशिता को सुनिश्चित करना है। मगर इन 45 पदों के लिए जो विज्ञापन दिए गए थे, उनमें आरक्षण की व्यवस्था नहीं थी। जाहिर है, प्रतिपक्ष ने इस पहलू को लपकते हुए विरोध का बवंडर खड़ा कर दिया। अब प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद आशा है कि भविष्य में सरकारी नियुक्तियों में संविधान में निहित सामाजिक न्याय के आदर्शों का पूरा-पूरा ख्याल रखा जाएगा। वैसे भी, ज्यादा दिन नहीं हुए, जब आरक्षित कोटे से जुड़ी अनियमितता की शिकायतों के मद्देनजर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में 69 हजार सहायक शिक्षकों की नियुक्ति की नई सूची तैयार करने का आदेश सुनाया था। साफ है, सरकारी नियुक्तियों में सांविधानिक व्यवस्थाओं की किसी किस्म की अनदेखी या चूक अदालती विवाद को ही न्योता देगी। लेटरल एंट्री का चलन नया नहीं है। पिछली यूपीए सरकार और उसके पहले की कांग्रेस सरकारों में भी ऐसी नियुक्तियां होती रही हैं। मगर चूंकि वे इक्का-दुक्का पदों पर होती थीं, और चयनित लोग अपने-अपने क्षेत्र के स्थापित नाम हुआ करते थे, इसलिए उनको लेकर बहुत विवाद खड़ा नहीं हुआ। दुर्योग से अब कोई भी सरकारी नियुक्ति हो, चाहे वह नियमित भर्ती प्रक्रिया के जरिये ही क्यों न हुई हो, अविवादित नहीं रह पाती। निस्संदेह, इसके मूल में अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या एक अहम वजह तो है ही, सामाजिक-राजनीतिक चेतना का विस्तार भी एक बड़ा कारण है। ऐसे में, शीर्ष स्तर पर दर्जनों लेटरल नियुक्तियां अब किसी सरकार के लिए आसान न होंगी। भले ही ये नौकरशाही की बेहतरी और एक सीमित अवधि के लिए की जाती हैं। मौजूदा नियुक्ति प्रक्रिया को निरस्त किए जाने के पीछे राजनीतिक अवधारणाओं को नकारा नहीं जा सकता। सभी जानते हैं, 'संविधान पर खतरे' के विपक्ष के नैरेटिव ने पिछले आम चुनाव में भाजपा व एनडीए को नुकसान पहुंचाया था और अब लेटरल एंट्री के जरिये आरक्षण की सांविधानिक व्यवस्था को नकारने और दलितों, आदिवासियों व पिछड़े वर्गों की हकमारी का उसका आरोप हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के आगामी विधानसभा चुनावों के साथ-साथ उप-चुनावों में भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता था। फिर इसके तुरंत बाद झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव हैं, जहां आरक्षण का मसला बेहद संवेदनशील है। इसलिए यह लेटरल एंट्री केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए सिरदर्द बन सकती थी। एनडीए में शामिल लोजपा और जद-यू तो इसके खिलाफ मुखर हो भी चुके थे। ऐसे में, उचित ही केंद्र ने त्वरित कदम उठाते हुए इसे निरस्त करने का फैसला किया है। लोकतांत्रिक राजनीति जन-धारणाओं से संचालित होती है और यदि एक बड़े नागरिक वर्ग में यह अंदेशा पैठ जाए कि उसके अधिकारों में कटौती की जा रही है, तो यह राजनीतिक रूप से ही नहीं, सामाजिक रूप से भी सुखद बात नहीं है।

कलकत्ता दुष्कर्म व हत्याः एक और निर्भयाकांड, विश्वगुरुशर्मसार?

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

एक और निर्भया कांड हो गया विश्वगुरु की एक बार फिर फजीहत हुई हैद्य कलकत्ता दुष्कर्म व हत्याकांड से एक और दाग लग गयाद्य देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं।बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है। यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। हर जगह दरिंदे दरिन्दगी कर रहे हैं ताज़ा घटनाक्रम कलकत्ता मेडिकल कालेज की एक ट्रेनी डाक्टर के साथ गैंगरेप व हत्या का मामला बहुत ही सगीन अपराध है ऐसे दरिंदो को फांसी की सजा देनी चाहिए यह बहुत ही जघन्य अपराध हैद्य गत वर्ष वाराणसी में घटित हुआ थाजहाँ बीएचयू परिसर कुछ गुंडों द्वारा एक लड़की के साथ अश्लील हरकते करना व और वीडियो बनाना की घटना सामने आई थीद्य साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं।आज कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है।सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है।आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं।बेखौफ दरिदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी,अपराध की तारीख बदल जाती है ,मगर तस्वीर नहीं बदलती।बेशक प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया गया। मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वीरें प्रस्तूत कर रही है। आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देश के लिए अशुभ संकेत है।आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छुह रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता।आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो,बस,सड़क ,गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है।है। 2019,2020,2021,2022,2023 में भी दरिंदो ने दरिन्दगी जारी रखी द्य वर्ष 2024 में भी हालात सुधर नहीं रहे है ।आंकड़ों के अनुसार 12 सितंबर 2018 को हरियाणा के रेवाड़ी में एक 19 साल की मेधावी छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म कर दिया था। 27 जून 2018 को मध्यप्रदेश के मंदसौर में एक सात साल की नाबालिग स्कली बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था।यह बच्ची तीसरी में पढ़ती थी। मासूम से हुई दरिदगी व हैवानियत की यह घटना बहुत ही दिल दहलाने वाली थी। दरिदों ने जिस बर्बरता व हैवानियित से घटना को अंजाम दिया था उससे रौगटे खडे हो जाते है। दरिदों ने दरिदंगी की हदे पार कर दी थी। 16 दिसंबर 2012 सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्म की वारदात से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था।यह रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना बहुत ही दुखद थी।हर रोज अस्मत लूटी जा रही है।दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है।दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है।जंगलराज स्थितियां बन रही है।कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है।वर्ष 2024 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।साल के आठमाह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी।हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है।देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है।इससे पहले कठुआ में भी एक बच्ची के साथ दरिदगी का मामला प्रकाश में आया था। प्रतिदिन इन अपराधों में इजॉफा होता जा रहा है।देश में दरिदगी की वारदातें कब रुकेगीं।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। 26 मार्च 2017 को उतर प्रदेश के लखीमपुरीमें दो नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। ऐसी वारदातें खौफनाक है।रेप व हत्या की ऐसी घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं।26 मार्च को ही नई दिल्ली में एक युवक ने एक बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने दुष्कर्म किया।देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है।फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। बीते वर्ष 2023 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2024के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरुआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर अगस्तमाह तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हो चुकी हैं ।प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उतर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा करके उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे है नाबालिग लड़कियों की शादियां अधेड़ो से की जा रही है ऐसे लोगों के विरुद्व समाज को कारवाई करनी चाहिए। 16 दिसंबर 2012 को जो हादसा दिल्ली में निर्भया के साथ हुआ था उसके बाद देश में महिलाओं से होने वाले दुष्कर्मों की बाढ़ सी आ गई कि हर दिन राजधानी से लेकर शहर व गांवों में सामूहिक दुष्कर्म थमनें का नाम ही नहीं ले रहे हैं। आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं।विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं।जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है।देश में आज भ्रूण हत्याएं हो रही हैं नवजात शिशु झाड़ियों व कूड़ेदानों व मंदिरों में मिल रहे है जिनमें ज्यादातर शिशु लड़कियां ही होती है। आज लड़कियों से इतनी नफरत क्यों की जा रही है आदमी यह कैसे भूल रहा है कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी। देश में ऐसे मामले प्रतिदिन घटित हो रहे है। नवजात व अबोध बच्चियो से दुष्कर्म हो रहे है। गत वर्ष दिल्ली में गुड़िया के साथ ऐसा ही एक दरिंदगी हुई थी जब एक किराएदार ने उसके साथ रुह कंपा देने वाला घिनौना काम किया था।दरिदें हर जगह दरिंदगी की शरणस्थली बना रहे ।कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो देश के लिए कलंक हैं।फांसी के जितने भी मामले लंबित हैं त्वरित कारवाई करके दरिदों का सर्वनाश करना चाहिए। ताकि आने वाले समय में ऐसे अमानवीय कृत्यो पर लगाम लग सके ।यदि अब भी कानूनों में सख्ती न बरती तो ऐसे दरिदें फिर से इन घिनौनी वारदातों को अंजाम देते रहेगें ।इसलिए अब ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। केन्द्र सरकार को चाहिए कि देश के सार्वजनिक स्थलों पर हर समय सुरक्षा व्यवस्था कायम की जाए। सादी वर्दी में महिला पुलिस तैनात करनी चाहिए। सरकार को बिना समय गंवाए इन दरिदों का खात्मा करना चाहिए। ऐसे दरिदें देश के लिए घातक हैऐसे दरिदें न जाने कैसे वातावरण में रहते होगें ।ऐसे लोगो को समाज की कोई फिक्र नहीं होती कि उनके कृत्यों से पूरा समाज द्रवित होता है । समाज में ऐसे लोग बहुत ही घातक सिद्व हो रहे है । ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने होगे ।ऐसे दुष्कर्म सामाजिक मूल्यों का पतन दर्शाते है कि समाज में विकृत मानसिकता के लोगों का बोलबाला होता जा रहा है ।इन मामलों से इन्सानियत तार-तार हो रही है ।

सस्ती एवं नकारात्मक राजनीति है लेटरल एंट्री का विरोध

(लेखक- ललित गर्ग)

भारतीय नौकरशाही संरचना के प्रभावी एवं परिणामकारी प्रदर्शन को निश्चित रूप से लेटरल एंट्री प्रक्रिया के साथ पूरक किया जा सकता है। लेटरल एंट्री नई बाहरी प्रतिभाओं को लाकर, सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक कल्याण के लिए और अधिक काम एवं प्रभावी काम करने के लिए प्रेरित करके नियमित सरकारी अधिकारियों को पूरक कर सकते हैं, लेकिन लेटरल एंट्री की प्रणाली को अधिक समावेशी, पारदर्शी और असरदार बनाने के लिए एक निश्चित नीति के साथ आगे बढ़ने एवं इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सकारात्मक रवैया अपनाना देश विकास के लिये जरूरी प्रतीत होता है। इसके लिये वर्तमान नरेन्द्र मोदी सरकार ने जो कदम उठाया है, उस पर राजनीति करने करने की बजाय उसमें देशहित को सामने रखा जाना चाहिए। वैश्वीकरण ने शासन के काम को अत्यंत जटिल बना दिया है और यही वजह है कि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता और कौशल की मांग पहले से बहुत अधिक बढ़ गई है। अर्थव्यवस्था और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में थिंक-टैंकों की आवश्यकता के मद्देनजर तथा अन्य ऐसे विभागों में जहाँ विशिष्ट प्रकार की सेवाओं की आवश्यकता होती है, लेटरल एंट्री से संयुक्त सचिवों की नियुक्ति की जानी प्रांसगिक एवं उपयोगी कदम है।

संघ लोकसेवा आयोग ने केंद्र सरकार के 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव की भूमिकाओं के लिए प्रतिभाशाली, कार्यक्षम और दक्ष भारतीय नागरिकों से 45 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करके सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री (सीधी भर्ती) का स्वागतयोग्य एवं सराहनीय प्रयोग कर रहा है। भले ही इस मुद्दे को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों में विरोध के स्वर देखने को मिल रहे हैं। वैसे भी ऐसे राजनीतिक लोगों एवं दलों की आंखों में किरणें आंज दी जाये तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। विपक्षी दलों विशेषतः कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के आरक्षण की उपेक्षा के लिए सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री नीति की आलोचना की है। जबकि भारत में सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री का तात्पर्य सरकार के मध्य और वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर पेशेवरों एवं प्रतिभाशाली कर्मियों की भर्ती से है। जिसमें प्रतिभाशाली एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य विशिष्ट कौशल और विशेषज्ञता लाना है जो पारंपरिक नौकरशाही ढांचे में उतनी प्रभावी प्रतीत नहीं हो रही है। कई संभावित और अच्छे प्रशासक हैं जो अपनी कम उम्र के दौरान सरकार द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भाग नहीं लेते हैं। लेटरल एंट्री उन्हें शासन तंत्र का हिस्सा बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। नया भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत निर्मित करने में इन प्रतिभाओं का उपयोग होना राष्ट्र में एक नयी रोशनी का अवतरण हो सकता है।

देखा यह गया है कि जब भी ब्यूरोक्रेसी में सुधार की चर्चा होती है, तो इसका विरोध होने लगता है, जो विरोधाभासी एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ-साथ संकीर्ण राजनीति का द्योतक हैं। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों की ओर से जिस तरह लेटरल एंट्री पर आपत्ति जताई जा रही है, वह यही बताती है कि नकारात्मक राजनीति की जा रही है। यह आश्चर्जनक है कि ऐसे देश-विकास एवं राष्ट्र-निर्माण के निर्णयों एवं मुद्दों का विरोध करने की राजनीति की कमान राहुल गांधी अपने हाथ में लेते हुए दिख रहे हैं। कम से कम उन्हें तो इससे बचना चाहिए, क्योंकि राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वित्त सचिव के रूप में मनमोहन सिंह की नियुक्ति लेटरल एंट्री ही थी और वह भी बिना किसी निर्धारित प्रक्रिया के। भारत में लेटरल एंट्री कोई नई बात नहीं है। पहले भी भारत में इसका फायदा उठाया जा चुका है। मुख्य आर्थिक सलाहकार की नियुक्ति लेटरल एंट्री से ही की जाती रही है। पूर्व आर्थिक सलाहकार मोंटेक सिंह अहलूवालिया, आधार की नींव रखने वाले नंदन नीलेकणि जैसी बड़ी हस्तियां इसी के जरिए प्रशासन में शामिल हुईं। यह व्यवस्था तदर्थ आधार पर की गई है, यह संस्थागत नहीं है। लेटरल एंट्री की व्यवस्था सिर्फ भारत में ही है। ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और बेल्जियम जैसे पश्चिमी देशों में पहले से ही सभी क्षेत्रों के योग्य कर्मियों के लिए विशिष्ट सरकारी पदों को खोल दिया है। यह नौकरी के लिए बेहतरीन प्रतिभाओं को आकर्षित करने का एक बेहतर तरीका पाया गया है।

स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। इसके विपरीत वर्तमान सरकार एक तय प्रक्रिया के तहत लेटरल एंट्री कर रही है। इसी कारण इसकी जिम्मेदारी संघ लोक सेवा आयोग को दी गई है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों को यह भी पता होना चाहिए कि लेटरल एंट्री के जरिये जो नियुक्तियां की जा रही हैं, वे अस्थायी हैं। ये नियुक्तियां केवल तीन वर्ष के लिए हैं और उनमें अधिकतम दो वर्ष की वृद्धि की जा सकती है। प्रशासन में सुधार की हर पहल को आरक्षण से जोड़ना केवल यही नहीं बताता कि वोट बैंक की सस्ती राजनीति अनियंत्रित हो रही है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि आरक्षण को हर मर्ज की दवा मान लिया गया है। यह ठीक नहीं कि होनी को अनहोनी बनाने का प्रयत्न हो।

वैसे लेटरल एंट्री राष्ट्रहित का मुद्दा है। जिस पर 2002 की संविधान समीक्षा आयोग ने भी सिफ़ारिश वकालत की। मनमोहन सिंह के समय 2005 की द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर लेटरल एंट्री के लिए एक संस्थागत और पारदर्शी प्रक्रिया की सिफारिश की। स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। नीति आयोग ने अपने तीन-वर्षीय कार्य एजेंडा में लेटरल एंट्री के विचार का समर्थन किया। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि लेटरल एंट्री से विशेष ज्ञान और प्रशासनिक कौशल को शामिल करके शासन में सुधार की क्षमता को विकसित किया जा सकता है। शासन में सचिवों का क्षेत्रीय समूह ने भी लेटरल एंट्री प्रणाली का समर्थन किया। यह तर्क दिया गया कि लेटरल एंट्री प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को पेश करके सार्वजनिक सेवाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाया सकता है और उसे उच्च परिणामकारी बनाया जा सकता है।

विरोध के लिये विरोध करने की सोच एवं उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक नीति के द्वारा किसी का भी हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होती। राहुल गांधी और कुछ अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से यह जो माहौल बनाया जा रहा है कि लेटरल एंट्री के जरिये विभिन्न मंत्रालयों में विशेषज्ञों की नियुक्तियों से आरक्षित वर्गों के हितों को नुकसान होगा, उसका इसलिए कोई औचित्य नहीं, क्योंकि यह कहीं नहीं कहा गया है कि इन वर्गों के लोग आवेदन नहीं कर सकते। राहुल गांधी किस तरह अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए एक झूठा विमर्श खड़ा रहे हैं, इसका पता इससे भी चलता है कि 2019 के लोकसभा चुनाव के समय स्वयं उन्होंने पूर्व सैन्य अधिकारियों को लेटरल एंट्री के जरिये सिविल सेवाओं में शामिल करने का वादा किया था।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

विचार मंथन

भारतीय संविधान ही सेक्यूलर नागरिक संहिता, सभी नागरिकों के मौलिक अधिकार एक समान

लेखक - सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से कम्युनल सिविल कोर्ट के स्थान पर सेक्युलर सिविल कोड की स्थापना का आह्वान किया है। यह कहकर उन्होंने एक नए विवाद को जन्म दिया है। उन्होंने भारतीय संविधान की अनदेखी कर,संविधान के महत्व को घटाने का काम किया है। भारतीय संविधान 1950 में लागू हुआ। संविधान निर्माताओं ने भारत के सभी नागरिकों को बिना किसी एक समान अधिकार दिए हैं। सभी नाग रिकों को अपने धर्म अपनी भाषा बोलने का अधिकार दिया है। सभी नागरिकों को स्वतंत्र अभिव्य क्ति का समान रूप से संविधान ने मौलिक अधिकार दिए हैं। उनमें किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं है। भारतीय संविधान ने हजारों वर्षों की गुलामी के कारण समाज का जो वर्ग आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ था। उसे सामाजिक और आर्थिक प्रगति के साथ आगे लाया जा सके। उस समय समाज में जो कुरीतियां थी। उनको समाप्त करने के लिए संविधान में कुछ विशेष प्रावधान किए थे। भारत विविध धर्म और विविध भाषाओं वाला देश है। यहां का खान-पान, रहन- सहन, धार्मिक रीति-रिवाज, सब अलग-अलग हैं। हिंदुओं के सभी वर्ग और समुदाय की आराधना पद्धति और धार्मिक पद्धति अलग-अलग हैं। हिंदुओं में हजारों देवी देवता हैं। जिनकी पूजा अलग-अलग तरीके से होती है। भारतीय संविधान ने नागरिकों को मौलिक अधिकारों के साथ स्वतंत्र जीवन की स्वतंत्रता दी है। संविधान ने नागरिकों के लिए जो मौलिक अधिकार घोषित किए हैं। उसका अन्य कोई विकल्प नहीं हो सकता है। भारतीय संविधान सच्चे मायने में सेकुलर नागरिक संहिता है। जिसमें कोई भेदभाव नहीं है। हिंदुओं के लिए सिविल कोड है। इस सिविल कोड में भारत की तीन चौथाई जनसंख्या कवर होती है। हिंदुओं की ही बात करें, तो शैव,विष्णु,ब्रह्मा,जैन, बौद्ध, सिख, पारसी,आदिवासी और उपजातियों की अलग-अलग परंपराएं हैं। सभी उपजातियां की अलग-अलग सोच है। इसको बदल पाना भगवान के लिए भी संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक की निजी आस्था उसकी सोच का प्रतीक है। भारतीय संविधान ने निजी आस्था और विश्वास को बनाए रखते हुए, सभी नागरिकों के लिए समान मौलिक अधिकारों का चयन किया। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में भारत के संविधान को सर्वश्रेष्ठ माना गया। इससे बेहतर लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य कोई हो ही नहीं हो सकती है। हिंदू सिविल कोड को भारतीय संविधान ने मान्यता दी। उसी तरीके से मुस्लिम, ईसाइयों, बौद्ध,सिख, आदिवासियों इत्यादि को अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भारतीय संविधान ने मान्यता दी है। निजी आस्था और धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार जीवन जीने का अधिकार बिना किसी भेदभाव के सभी नाग रिकों को दिया है। संविधान के मौलिक अधिकारों में कोई भी फेरबदल करने की किसी को नहीं दी गई। इसी कारण पिछले 75 वर्षों से भारत की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक व्यवस्थाएं सुरक्षित हैं। विभिन्न विचारधारा और विभिन्न मान्यताओं को मानने वाले नागरिक भारतीय संविधान से जुड़े हुए हैं। इसका एक ही कारण है, कि सभी के नागरिक अधिकार एक समान हैं। भारतीय संविधान के अनुसार कोई भी नागरिक अपने निजी अधिकारों की मांग करते हैं। तो संविधान मे उसका भी संरक्षण है। संविधान निर्माताओं ने भारत के हर नागरिक के अधिकारों का समान रूप से ध्यान रखा है। इस बात का ध्यान रखा है, जो लोग और जो समाज सबसे दयनीय स्थिति में है। उसका संरक्षण किया जाना जरूरी है। यह भारतीय संस्कृति का सबसे बड़ा अभिन्न हिस्सा और सोच है। भारतीय संविधान के रहते हुए, अन्य किसी समान नागरिक संहिता बनाने की कोई जरूरत नहीं है। भारत मे सैकडों धर्म, सैकड़ो भाषाओं, हर क्षेत्र की अलग-अलग परंपराओं,अलग-अलग मान्यताओं,अलग तरीके के खानपान के होते हुए भारत में सभी नाग रिक आपस में मिलकर रहते हैं। विश्व के सभी देश आश्चर्यचकित होकर भारतीय संविधान की सराहना करते हैं। संविधान सभा में सभी विषयों पर बहुत बड़ा विचार विमर्श हुआ था। 2 साल तक यह विचार विमर्श चलता रहा। तब जाकर संविधान के अंतिम प्रारूप को तैयार कर सर्व समिति से स्वीकार किया गया। संविधान निर्माण के लिए सभी जातियों और सभी धर्म के लोगों को संविधान सभा में रखा गया था। सभी ने खुलकर अपने-अपने विचार रखे थे। तब जाकर भारत का संविधान फाइनल हुआ। भारतीय संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार सामान है। इसमें किसी भी तरह का भेदभाव नहीं है। संविधान के मौलिक अधिकारों से छेड़छाड़ करने का अधिकार ना तो विधायिका और ना ही कार्यपालिका को दिया गया। मौलिक अधिकारों के संरक्षण की जिम्मेदारी संविधान निर्माताओं ने न्यायपालिका को दी।

सेबी ने दिया बीएसई को बड़ा झटका

अतिरिक्त रेगुलेटरी फीस के भुगतान पर राहत देने से किया इंकार

नई दिल्ली ।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से तगड़ा झटका लगा है। सेबी ने एनुअल टर्नओवर के आधार पर अतिरिक्त रेगुलेटरी फीस के भुगतान पर स्टॉक एक्सचेंज को कोई राहत देने से इनकार कर दिया है। बीएसई ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए रेगुलेटरी फीस का भुगतान करने के लिए 169.77 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। जिसमें से उसे 167.33 करोड़ रुपये बतौर रेगुलेटरी फीस चुकाना होगा। सेबी ने अप्रैल में बीएसई को 'प्रीमियम टर्नओवर' के बजाय एनुअल टर्नओवर के नोशनल वैल्यू के आधार पर रेगुलेटरी फीस का भुगतान करने का निर्देश दिया था। चूंकि इस बदलाव से रेगुलेटरी फीस के रूप में अधिक भुगतान करना पड़ेगा, इसलिए एक्सचेंज ने जून में सेबी को लिखे एक पत्र में रिव्यू का अनुरोध किया था। पिछले हफ्ते सेबी द्वारा बीएसई के रिव्यू के अनुरोध के जवाब में भेजे गए पत्र के बाद, बीएसई के बोर्ड ने अतिरिक्त रेगुलेटरी फीस का भुगतान करने की सलाह दी है। सेबी ने अपने जवाब में कहा, फ्यह दोहराया जाता है कि बोर्ड को नियामक शुल्क का भुगतान करने के उद्देश्य से ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए एनुअल टर्नओवर की गणना हमेशा उनके नोशनल वैल्यू के आधार पर की गई है। सेबी ने आगे कहा कि, चूंकि कोई निर्धारित सीमा अवधि नहीं है, ब्याज के साथ अतिरिक्त रेगुलेटरी फीस की वसूली के लिए वित्त वर्ष 2014-15 से शुरू होने वाली 10 साल की लुक-बैक अवधि को उचित माना गया है। बता दें कि सेबी के दिशानिर्देश के मुताबिक, बीएसई को 'प्रीमियम टर्नओवर' के बजाय नोशनल टर्नओवर के आधार पर रेगुलेटरी फीस का भुगतान करना होगा।

भारतीय कंपनियां सालाना 45 से 50 अरब डॉलर का करेंगी निवेश

नई दिल्ली । भारतीय कंपनियां क्षमता बढ़ाने को अगले एक-दो साल में पूंजीगत व्यय के तहत सालाना 45 से 50 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। यह जानकारी दी है साख निर्धारण से जुड़ी मूडीज रेटिंग्स ने। रिलायंस इंडस्ट्रीज की इस व्यय में हिस्सेदारी 30 प्रतिशत होगी। मूडीज ने भारत और इंडोनेशिया में सक्रिय कंपनियों के ऊपर जारी एक रिपोर्ट में कहा कि उत्पादन श्रंखला एकीकरण को बढ़ाने और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए निवेश किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, ''अगले एक से दो साल में रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों का सालाना पूंजीगत खर्च लगभग 45 से 50 अरब डालर तक रहेगा। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी अकेले 30 प्रतिशत होगी। कंपनी ने विभिन्न कारोबार में निवेश को लेकर लगभग 15 अरब डॉलर का निर्धारण किया हुआ है।'' इसके मुताबिक, तेल एवं गैस क्षेत्र और रिलायंस इंडस्ट्रीज मिलकर एक-दो साल में सामूहिक रूप से भारतीय कंपनियों के कुल व्यय का 60 प्रतिशत से अधिक खर्च करेंगी। मूडीज ने कहा कि भारत में रेटिंग वाली सात तेल और गैस कंपनियों का निवेश में हिस्सेदारी कुल निवेश का लगभग 30 प्रतिशत होगी। ये कंपनियां मौजूदा क्षमता का विस्तार करने और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने लिए हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के लिए सालाना लगभग 15 अरब डॉलर व्यय करेंगी। मूडीज रेटिंग्स ने उदाहरण देते हुए कहा कि ओएनजीसी (बीएए-3 स्थिर) और इंडियन ऑयल अगले दो साल में भंडार बढ़ाने, वितरण गतिविधियों यानी आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण और ऊर्जा बदलाव पर क्रमशः छह अरब डॉलर और चार अरब डॉलर खर्च करेंगी। मूडीज ने कहा कि भारतीय और इंडोनेशियाई कंपनियों के लिए कर्ज गुणवत्ता बेहतर रहेगी। चीन को छोड़कर भारत और इंडोनेशिया एशिया की दो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं।

आरबीआई गवर्नर दूसरी बार बने टॉप बैंकर, मिली ए प्लस रेटिंग

नई दिल्ली।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास को अमेरिका की एक पत्रिका ने ए प्लस रेटिंग दी है। आरबीआई ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लगातार दूसरे साल आरबीआई गवर्नर दास को ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024 में 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। दास को तीन केंद्रीय बैंक गवर्नरों की सूची में शीर्ष पर रखा गया है, जिन्हें 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के लिए श्रेणी 'ए' से 'एफ' के पैमाने पर रेटिंग दी गई। यहां 'ए' सफल प्रदर्शन तो 'एफ' विफलता को दर्शाता है। डेनमार्क के क्रिश्चियन केटल थॉमसन, भारत के शक्तिकान्त दास और स्विटजरलैंड के थॉमस जॉर्डन को केंद्रीय बैंकरों की 'ए प्लस' श्रेणी में स्थान दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय बैंकरों ने पिछले कुछ सालों में मुद्रास्फीति के खिलाफ युद्ध छेड़ा है, जिसमें उन्होंने उच्च ब्याज दरों के रूप में अपना प्राथमिक हथियार इस्तेमाल किया है। अब दुनिया के देश इन प्रयासों के ठोस परिणाम देख रहे हैं, क्योंकि मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल फाइनेंस के वार्षिक सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड उन बैंक नेताओं को सम्मानित करते हैं जिनकी रणनीतियों ने मौलिकता, रचनात्मकता और दृढ़ता के जरिए से अपने साथियों से बेहतर प्रदर्शन किया है, ग्लोबल फाइनेंस द्वारा 1994 से प्रतिवर्ष प्रकाशित सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड यूरोपीय संघ, पूर्वी कैरिबियन सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स और सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स सहित करीब 100 देशों, क्षेत्रों और जिलों के केंद्रीय बैंक गवर्नरों को ग्रेड देते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया गिरावट के साथ 83.92 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया रुपया 83.87 पर बंद हुआ था। वहीं आज सुबह रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.73 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में गत दिवस रुपया 83.86 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंचा हालांकि फिर 83.87 प्रति डॉलर पर आ गया जो उसके पिछले बंद भाव के बराबर है। वहीं गत दिवस रुपया 83.87 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ ही 101.82 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहाकि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी के बाद भी विदेशी पूंजी की निकासी का दबाव भारतीय मुद्रा पर पड़ा पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने गिरावट रोके रखी।

बायजू का बीसीसीआई से विवादः कर्मचारियों को नहीं मिल रही सैलरी

सुप्रीम कोर्ट के रोक के चलते कंपनी का बैंक अकाउंट पर नियंत्रण नहीं

नई दिल्ली। संकट में फंसी एडटेक कंपनी बायजू के कर्मचारियों का संकट अभी भी मंडरा रहा है। कंपनी ने अभी तक जुलाई की सैलरी नहीं दी है। इससे पहले भी बायजू कर्मचारियों को लेट सैलरी दे रही थी। लेकिन इस बार कंपनी के सीईओ बायजू रविंद्रन ने कर्मचारियों को भेजे पत्र में कहा कि कंपनी के बैंक अकाउंट नियंत्रण में नहीं है। ऐसे में इस बार सैलरी की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। बायजू को एक और तगड़ा झटका लगा था। कंपनी को बीसीसीआई के केस में नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने पैसा चुकाने की मंजूरी दे दी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने ग्लास ट्रस्ट कंपनी की याचिका के चलते इस पर रोक लगा दी। बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न अभी तक जुलाई की सैलरी नहीं दे पाई है। कंपनी के सीनियर अधिकारी ने कहा कि एनसीएलएटी के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के चलते सैलरी का संकट खड़ा हो गया है। इस बीच बायजू रविंद्रन ने कर्मचारियों को भेजे एक ईमेल में कहा कि मैं आपके लिए चिंतित हूं। जुलाई के लिए आपका वेतन अभी तक जमा नहीं हो सका है। बीसीसीआई के साथ विवाद के कारण हमें इस संकट से जुझना पड़ रहा है। हम पैसा चुकाने को तैयार हो गए थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है। इसके चलते कंपनी के अकाउंट हमारे कंट्रोल में नहीं हैं। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि जैसे ही हमें बैंक अकाउंट का कंट्रोल मिल जाएगा, उसी समय आपका पेमेंट कर दिया जाएगा।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में से उछाल दुनियाभर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी शेयरों में आई बढ़त से बाजार ऊपर आया। वहीं बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स भी 0.87 फीसदी बढ़ा जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.43 फीसदी ऊपर आया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.44 अंक या 0.13 फीसदी की बढ़त लेकर 80,905.30 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला निफ्टी 71.35 अंक तकरीबन 0.29 फीसदी बढ़कर 24,770.20 पर बंद हुआ।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान के निक्केई इंडेक्स में 0.68 फीसदी की कमी आई है। जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.38 फीसदी और हांगकांग के हैंगसेंग में 0.87 फीसदी की कमी आई है। अमेरिकी बाजार डाओ जोंस 61.56 अंक करीब 0.15 फीसदी नीचे आकर 40,834 पर बंद हुआ था। दूसरी ओर नेसडेक 59.83 अंक 0.33 फीसदी नीचे आकर 17,816 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 1,457.96 करोड़ के शेयर बेचे।

इससे पहले गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

वहीं आज सुबह बाजार बुधवार को शुरुआती कारोबार में नीचे आया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का बीएसई सेंसेक्स 111.15 अंक गिरकर 80,691.71 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 16.20 अंक टूटकर 24,682.65 अंक पर कारोबार करता दिखा।

सेंसेक्स की 13 कंपनियों के शेयर ऊपर आये। सबसे अधिक नेस्ले इंडिया के शेयर की कीमत 1.02 फीसदी बढ़कर 2544.60 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गई। इसके अलावा, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन और भारती एयरटेल के शेयर भी ऊपर आये। सुबह गिफ्ट निफ्टी गिरावट के साथ 24,685 के स्तर पर कामकाज करता दिखा। वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में भी गिरावट रही। इसके अलावा अमेरिकी बाजार भी मंगलवार को गिरावट दर्ज की गयी।

भारत में लैंड कर रहे तीन बड़े अंडरसी केबल प्रोजेक्ट्स, बढ़ेगी डिजिटल कनेक्टिविटी

नई दिल्ली।

भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी में अब बड़ा सुधार होने वाला है। तीन बड़े अंडरसी केबल प्रोजेक्ट्स- 2अफ्रीका पर्लस, इंडिया-एशिया-एक्सप्रेस(आईएएक्स) और इंडिया-यूरोपीय एक्सप्रेस(आईईएक्स) अक्टूबर से मार्च के बीच चालू होने वाले हैं। ये प्रोजेक्ट्स मौजूदा क्षमता को चार गुना से ज्यादा बढ़ा देंगे। 2अफ्रीका, जो दुनिया के सबसे लंबे अंडरसी केबल सिस्टमों में से एक है और 45 हजार किमी से ज्यादा लंबा है, इसमें भारती एयरटेल और मेटा समेत अन्य निवेशक शामिल हैं। इसकी क्षमता 180 टेराबिट्स प्रति सेकंड होगी और यह 33 देशों को जोड़ेगा, जिसमें मुंबई में सुनील मित्तल के नेतृत्व वाली एयरटेल का लैंडिंग स्टेशन भी शामिल है। आईएएक्स और आईईएक्स में रिलायंस जियो का भी योगदान है।

आईएएक्स और आईईएक्स मुंबई और चेन्नई में लैंडिंग करेंगे, जो भारत की वैश्विक टेलीकॉम बाजार में स्थिति को मजबूत करेंगे। आईईएक्स की क्षमता 200 टेराबिट्स प्रति सेकंड से ज्यादा होगी, जो मुंबई से पर्सियन गल्फ और यूरोप तक 9,775 किमी तक फैलेगा। आईएएक्स की क्षमता भी 200 टेराबिट्स प्रति सेकंड से ज्यादा होगी, जो मुंबई से शुरू होकर सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड और श्रीलंका तक 16 हजार किमी से ज्यादा तक फैलेगा। अंडरसी केबल्स समुद्र के तल पर रखे गए हाई-कैपेसिटी ऑप्टिक फाइबर पेयर्स होते हैं जो उच्च गति डेटा एक्सचेंज के लिए वैश्विक कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि ये तीन प्रोजेक्ट्स क्षमता को बढ़ाएंगे, साथ ही 5जी वीडियो स्ट्रीमिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करेंगे, जिससे डेटा सेंटर ऑपरेटरों से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होंगे। 2023 तक भारत में 14 स्टेशनों पर 17 अंतरराष्ट्रीय अंडरसी केबल्स थीं, जिनकी कुल क्षमता 138.55 टेराबिट्स प्रति सेकंड और सक्रिय क्षमता 111.11 टेराबिट्स प्रति सेकंड थी, ट्राई के मुताबिक इन केबल्स के कुछ चरण पहले ही अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के हिस्सों में पहुंच चुके हैं और परीक्षण चल रहा है। एक टेल्को कार्यकारी ने कहा कि समय-सीमा थोड़ी प्रभावित हुई क्योंकि मार्च में रेड सी में अशांति के कारण बीमा कंपनियों ने केबल-लेइंग जहाजों के लिए कवर हटा लिया था। अब सब सामान्य है और केबल्स की कमीशनिंग देर से होगी।

एप्पल ने पुनः रिलीज किया एडवांस डाटा प्रोटेक्शन फीचर

नई दिल्ली । एपल कंपनी ने अपने यूजर्स के लिए कुछ दिनों पहले कंपनी ने आईओएस 17.6.1 पेश किया था। कंपनी ने अब आईओएस17.6.1 का अपडेटेड वर्जन रिलीज किया है। दरअसल, आईओएस 17.6.1 को दोबारा रिलीज किए जाने के पीछे की वजह इस बार एडवांस डेटा प्रोटेक्शन सेटिंग है। लेटेस्ट अपडेट 21जी 101 बिल्ड नंबर के साथ नजर आया है। इस बार इस अपडेट को एडवांस डेटा प्रोटेक्शन सेटिंग के इनेबल-डिसेबल होने से जुड़ी परेशानी को फिक्स करने के लिए लाया गया है। ऐसे में अगर आप भी इस फीचर में आ रहे बग की वजह से परेशान हैं तो एपल का लेटेस्ट अपडेट जरूर डाउनलोड करना चाहिए। यूजर्स आईओएस 17.6.1 अपडेट के लिए फोन की सेटिंग्स पर आकर जनरल और इसके बाद सॉफ्टवेयर अपडेट पर टैप कर लेटेस्ट अपडेट चेक कर सकते हैं। एपल द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, एडवांस डेटा प्रोटेक्शन को शेयर किए जाने वाले कंटेंट के एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन के लिए डिजाइन किया गया है। इस फीचर को इनेबल करने के साथ पार्टिसिपेंट्स द्वारा शेयर किए जाने वाला कंटेंट सुरक्षित रहता है। फीचर आईक्लाइड शेयरिंग फीचर जैसे आईक्लाउड शेयर्ड फोटो, लाइब्रेरी, आईक्लाउड ड्राइव शेयर्ड फोल्डर और शेयर्ड नोट्स के लिए काम करता है। एपल रिलीज नोट में दी गई जानकारी के मुताबिक, इस अपडेट में जरूरी बग को फिक्स किया गया है।

पांच हजार लोगों पर 43 लाख करोड़ बकाया, इनकम टैक्स वसूलेगा पाई-पाई

नई दिल्ली।

इनकम टैक्स विभाग वसूली को लेकर सख्त रुख अपना रहा है। विभान ने अपने अधिकारियों से 43 लाख करोड़ की टैक्स डिमांड वाले पांच हजार मामलों पर फोकस करने को कहा है। विभाग इसके जरिए रिकवरी में सुधार और मुकदमेबाजी में फंसी राशि को कम करना चाहता है। इसमें उच्च अधिकारियों की एक स्पेशल टीम बनाकर ऐसे मामलों की समीक्षा कर उनकी सूची सितंबर तक सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स विभाग को देने को कहा है। ये सारी कवायद सेंट्रल एक्शन प्लान के मुताबिक की जा रही है। इसे उद्योग और सरकार दोनों के बीच मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

इनकम टैक्स विभाग सेंट्रल एक्शन प्लान के तहत खासतौर पर टॉप पांच जहार टैक्स डिमांड वाले मामलों पर नजर रखेगा, जिनसे 43 लाख करोड़ से ज्यादा की वसूली की जानी है। यह कुल टैक्स डिमांड का करीब 60फीसदी है।

इंडस्ट्री और सरकार दोनों के लिए मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने के चलते आयकर विभाग ने वर्ष 2024-25 के लिए सेंट्रल एक्शन प्लान (कैप) लॉन्च किया है। इस योजना का मकसद ज्यादा कुशल, पारदर्शी और करदाता-अनुकूल प्रणाली बनाना है। इस प्लान में टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन को बढ़ाने, रेवेन्यू कलेक्शन को अनुकूलित करने, बकाया मांग के अंतर को कम करने और टैक्सपेयर सर्विसेज में सुधार करने जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं।

रियलमी सी63 5जी सेल में उपलब्ध

कंपनी खुशी से दे रही 1000 रुपए सस्ते में

नईदिल्ली ।

चाइनीज कंपनी रियलमी के रियलमी सी63 5जी फोन को ग्राहक पहली सेल में सिर्फ 9,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर घर ला सकेंगे। कंपनी ने इस फोन को पिछले हफ्ते लॉन्च किया गया था। इसे सबसे स्मूथ एंट्री-लेवल 5जी फोन कहा गया है। इस फोन में 120 एचझेड डिस्प्ले मिलता है, और खास बात ये है कि इसके साथ फ्री चार्जर मिलेगा।

फीचर्स के तौर पर रियलमी सी63 5जी में 6.67-इंच का एचडी+ (720म1,604 पिक्सल) डिस्प्ले दिया जाता है, जिसमें 120 एचझेड रिफ्रेश रेट, 625 नीटस की पीक ब्राइटनेस, 89.97 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी रेशियो और 240 एचझेड टच सैंपलिंग रेट मिलता है। ये नया फोन 8जीबी रैम के साथ मीडियाटेक डाइमेंशन 6300 5जी चिपसेट पर काम करता है। इसमें वर्चुअल रैम की सुविधा दी जाती है, जिसकी मदद से रैम को 16जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें मिनी कैप्सूल 2.0 फीचर भी मिलता है। ये फोन एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड रियलमी यूआई 5.0 पर काम करता है और कंपनी फोन के लिए तीन साल के सिक्योरिटी अपडेट और दो साल के सॉफ्टवेयर अपडेट का वादा कर रही है। कैमरे के तौर पर रियलमी के इस लेटेस्ट फोन रियलमी सी63 5जी पर 32-मेगापिक्सल का एआई-सपोर्टेड प्राइमेरी रियर कैमरा दिया गया है। फोन के फ्रंट में सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 8 मेगापिक्सल का कैमरा मिलता है। ये फोन 128जीबी तक इनबिल्ट स्टोरेज के साथ आता है जिसे माइक्रोएसडी कार्ड का उपयोग करके 2टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। पावर के लिए रियलमी सी63 5जी में 5,000 एमएएच की बैटरी दी जाती है, जो कि 10वॉट की फास्ट चार्जिंग और रिवर्स चार्जिंग सपोर्ट के साथ आता है।

रिलायंस जियो ने लॉन्च किया जियो टीवी+ ऐप, देख सकेंगे 800 से ज्यादा चैनल्स

नई दिल्ली।

रिलायंस जियो ने जियो टीवी+ ऐप लॉन्च कर दिया है, जिससे यूजर्स एक ही जियो एयरफाइबर कनेक्शन से दो टीवी कनेक्ट कर सकते हैं। इस ऐप के ज़रिए यूजर्स को दस से ज्यादा भाषाओं और बीस से ज्यादा श्रेणियों में 800 से ज्यादा टीवी चैनल्स देखने को मिलेंगे। इस ऐप की खास बात यह है कि यूजर्स एक ही लॉगिन से 13 से भी ज्यादा ओटीटी ऐप्स को एक्सेस कर सकते हैं और अपने पसंदीदा शो या फिल्में देख सकते हैं। जियो टीवी+ ऐप के साथ यूजर्स बिना किसी परेशानी के मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं।

एक बार लॉगिन करने के बाद, यूजर्स जियो टीवी+ ऐप के सभी कंटेंट देख सकते हैं। स्मार्ट टीवी के रिमोट का इस्तेमाल करके जियो टीवी+ ऐप के सभी चैनल्स और फीचर्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भाषा, श्रेणी या चैनल नंबर डालकर आसानी से चैनल ढूंढ सकते हैं। स्मार्ट गाइड से 800 से ज्यादा चैनल्स को सर्च किया जा सकता है और उनके शेड्यूल भी देख सकते हैं। ऑन-डिमांड कंटेंट को अपनी सुविधा के मुताबिक देख सकते हैं और पहले दिखाए गए शो भी देख सकते हैं। बच्चों के लिए भी इसमें एक खास सेक्शन है।

जियो टीवी+ ऐप में सामान्य मनोरंजन, न्यूज, खेल, म्यूजिक, बच्चों के कार्यक्रम, बिजनेस और भक्ति चैनल्स शामिल हैं। जियो टीवी+ ऐप का इस्तेमाल करने के लिए, यूजर्स को अपने एंड्रॉइड टीवी, ऐप्पल टीवी या अमेज़न फायर टीवी स्टिक के ऐप स्टोर से जियो टीवी+ , हॉटस्टार, जी5, सोनीलिव और सननेस्ट ऐप्स डाउनलोड करने होंगे। यूजर्स जियो टीवी+ ऐप में अपने जियोफिबर, जियो एयरफिबर के साथ रजिस्टर किए गए मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करके लॉगिन कर सकते हैं। ओटीपी के ज़रिए ऑथेंटिकेशन पूरी होने के बाद, वे जियो टीवी+ ऐप का भरपूर आनंद ले सकते हैं।

भारतीय बाजार में इस साल कारों की मांग कम, मारुति सुजूकी ने घटाया उत्पादन

इस माह त्योहारी सीजन शुरु होने से कंपनी को है मांग बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में भारतीय बाजार में कारों की मांग उम्मीद से कम रही है और मारुति सुजूकी इंडिया ने डीलरों के पास मौजूद स्टॉक को देखते हुए अब उत्पादन कम कर रही है। सुजूकी मोटर कॉर्पोरेशन ने विश्लेषकों ने कहा कि हम बाजार में स्टॉक घटाने के लिए उत्पादन कम कर रहे हैं। भारत में त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है इसलिए हम मांग पर करीब से नजर रख रहे हैं।

कारों की मांग कम होने से स्टॉक काफी बढ़ गया है। डीलरों के संगठन फाडा ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम को बीते कुछ महीनों में दो बार पत्र लिखकर इस समस्या का समाधान करने का आग्रह किया है। फाडा के मुताबिक डीलरों के पास करीब 7,30,000 कारों का स्टॉक मौजूद है जो दो महीने तक कारों की मांग को पूरा करने के लिए काफी है। दूसरी ओर सायम का कहना है कि डीलरों के पास करीब चार लाख कारों का स्टॉक है।

सुजूकी मोटर कॉर्पोरेशन ने विश्लेषकों से कहा कि पहली तिमाही में भारतीय बाजार में इस साल बिक्री की रफ्तार उम्मीद से भी कम है। चुनावों और प्रतिकूल मौसम से भी बिक्री पर असर पड़ा है। बिना बिकी कारों का स्टॉक बढ़ गया है इसलिए हम उत्पादन उस हिसाब से घटा रहे हैं। इस साल त्योहारों का मौसम अगस्त में शुरू हो रहा है और इस दौरान कारों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मारुति सुजूकी का उत्पादन पिछले साल तुलना में 7.4 फीसदी बढ़कर 4,96,000 कारों का रहा। इस दौरान कंपनी की बिक्री महज 1.2 फीसदी बढ़कर 4,27,000 कारों की रही। देश के कार बाजार में मारुति की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 40 फीसदी रही है।

सुजूकी मोटर ने कहा कि सायम ने इस साल कारों की बिक्री दो से तीन फीसदी बढ़ने का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में हम बिक्री बढ़ाने का प्रयास करेंगे। जुलाई में खुदरा बिक्री अप्रैल-जून की तुलना में थोड़ी बढ़ी है और पिछले साल की तुलना में तीन फीसदी बढ़ी है लेकिन जो कारें हमारे पास हैं उन्हें खपाना भी जरूरी है।

विराट कोहली को लेकर पीयूष चावला ने किया बड़ा खुलासा, कहा- विराट आज भी बिल्कुल वैसे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अक्सर चर्चा में रहते हैं। वहीं कई दिग्गज उनके बारे में कह चुके हैं कि वो समय के साथ बदल गए हैं। युवराज सिंह ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि पहले का विराट कोहली चीकू था और अब चीकू है ही नहीं। वहीं अमित मिश्रा ने तो यहां तक कह दिया था कि सफलता विराट के सिर चढ़ गई थी, और वह बिल्कुल बदल गए। लेकिन पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कोहली के बारे में बड़ा खुलासा करते हैं सबको चौंका दिया है।

दरअसल, पीयूष चावला का एक पुराना इंटरव्यू फिर से वायरल हो रहा है। जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं कि विराट कोहली पिछले 10-15 सालों में कोई बदलाव नहीं आया है। 2 स्लॉगर्स पॉडकास्ट पर जब पीयूष से पूछा गया था, कि आप हमें ये बताइए कि विराट कोहली क्यों बदल गए है?

तो इस पर चावला कहते हैं कि मैं तो जितना भी विराट से मिला हूं, जितना भी उनके साथ खेला हूं मेरा बहुत अच्छा अनुभव रहा है। हम लोग जूनियर क्रिकेट साथ खेले हैं और उसके बाद आईपीएल में खेले, टीम इंडिया के लिए साथ खेले हैं। मेरे साथ यही चीज है... देखिए हर किसी का अपना- अपना सोचना होता है, मेरे साथ जितनी भी बातचीत हुई है, हम अभी भी जब मिलते हैं तो बहुत अच्छे से मिलते हैं।

पीयूष चावला ने आगे कहा कि, वो जब एशिया कप में खेल रहे थे, और मैं कॉमेंट्री कर रहा था, मैं बाउंड्री के पास खड़ा हुआ था। इनिंग के बाद जो शो करना होता है, उसके लिए तो वहां पर वो आया और कहा पीसी यार चल कुछ अच्छा सा ऑर्डर करते हैं। क्योंकि हम दोनों ही खाने के बहुत शौकीन हैं, तो इस तरह से आज भी वैसे ही बातचीत होती है। जैसी आज से 10 साल या 15 साल पहले होती थी। पीयूष चावला का ये इंटरव्यू काफी पुराना है, लेकिन इस इंटरव्यू का ये हिस्सा फिलहाल काफी वायरल हो रहा है।

सुमित अंतिल को नीरज चोपड़ा की सलाह, पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना। अंतिल ने पेरिस पैरालंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, 'नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए।% अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बावजूद भाला कभी भी चोट पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतक हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक के साथ स्वदेश लौटने का प्रयास करूंगा। आगामी 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पैरालिंपिक खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के इस भाला फेंक एथलीट अंतिल ने टोक्यो में अपनी स्पर्धा में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है और एफ-64 श्रेणी में 68.55 मीटर के दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था। सोनीपत के 26 वर्षीय स्पोर्ट्स हीरो अंतिल ने 2015 में एक दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था।

जय शाह बन सकते हैं अगले आईसीसी चेयरमैन

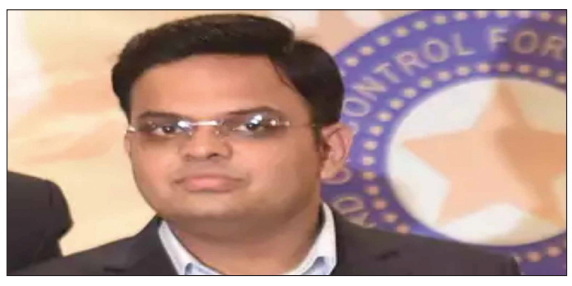

-30 नवंबर को समाप्त हो रहा बार्कले का कार्यकाल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अगले आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इसी साल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है। वहीं बार्कले तीसरे कार्यकाल की दौड़ से अलग हो गये हैं। ऐसे में जय शाह के इस पद पर आने की अटकलें हैं। शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक तय होगा। ये चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है। आईसीसी चेयरमैन के दो-दो साल के तीन कार्यकाल होते हैं और बार्कले के ये साल पूरे हो गये हैं।

आईसीसी ने कहा, ''बार्कले ने बोर्ड से कह दिया है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। नवंबर के अंत में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया।'' आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51फीसदी) आवश्यक है। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो-तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। आईसीसी ने कहा, ''मौजूदा निदेशकों को अब 27 अगस्त 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रस्तुत करना होगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं तो चुनाव होगा और नए चेयरमैन का कार्यकाल एक दिसंबर 2024 से शुरू होगा।'' जय आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली सदस्यों में शामिल हैं। वह अभी आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं।

पूर्व बल्लेबाजी कोच बोले, रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी

-मैच को लेकर अपनी रणनीति नहीं भूलते

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मैच को लेकर बनायी रणनीति नहीं भूलते। फिर चाहे वह ये भूल जाएं की टॉस के समय उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था या गेंदबाजी का। राठौड़ के अनुसार रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

राठौड़ ने कहा कि वह कोई अन्य बात भूल जाता है पर अपनी योजना कभी नहीं भूलता। उन्होंने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए टी20 विश्व कप फाइनल में रोहित के रणनीतिक फैसलों को भी

याद करते हुए कहा कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह को ओवर तेजी से फेंकने को कहा और इसका लाभ टीम को मिला। राठौड़ ने कहा कि वह एक कप्तान के रूप में सामरिक रूप से बहुत अच्छे हैं। टी20 विश्व कप फाइनल में उन्होंने बुमराह का ओवर जल्दी खत्म कर दिया था। बहुत से लोगों ने उस फैसले पर सवाल उठाए होंगे लेकिन उस फैसले ने हमें उस स्थिति में डाल दिया, जहां आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। मैदान पर उनके लिए कई फैसले आमतौर पर सटीक होते हैं।

राठौड़ जोकि सीनियर पुरुष चयन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं, ने स्वीकार किया कि उन्हें अभी तक ऐसा कोई कप्तान नहीं मिला है जो रोहित की तरह खेल में ली हो। उन्होंने कहा कि उनकी पहली खूबी यह है कि एक बल्लेबाज के रूप में वह एक असाधारण खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उनके पास हमेशा एक स्पष्ट रणनीति होती है। एक नेता के रूप में भी आपको आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। राठौर ने कहा कि वह एक खिलाड़ी के कप्तान हैं। किसी कप्तान को मैंने टीम बैठक या रणनीति में इतना शामिल होता नहीं देखा जितना उन्हें देखा है। वह टीम की रणनीति पर काफी समय बिताते हैं। वह गेंदबाजों की बैठक, बल्लेबाजों की बैठक का हिस्सा रहते हैं। वह खिलाड़ियों के साथ समय बताते हैं और इस दौरान बताते हैं कि किससे उन्हें क्या चाहिये।

श्रीजेश को 2 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देगी केरल सरकार

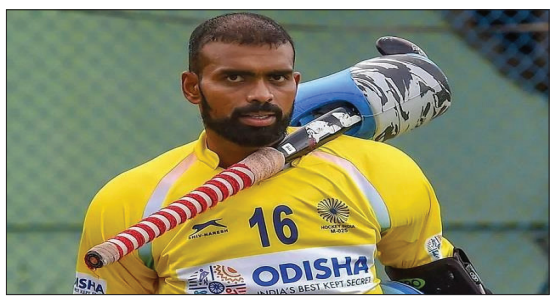

तिरुवनंतपुरम । केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर और पेरिस ओलंपिक में टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश के लिए दो करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। इसमें कहा गया, 'पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे पी आर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।' श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास ले लिया था।

मनु ने सम्मान समारोह में बच्चों के साथ किया डांस

चेन्नई । पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर अब अपने डांस के कारण छायी हुई हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वायरल वीडियो में मनु को एक सम्मान समारोह के दौरान कुछ स्कूली बच्चों के साथ बार-बार देखो फिल्म के मशहूर गाने काला चश्मा पर थिरकते देखा गया। वह इस गाने पर बच्चों के साथ ताल से ताल मिलाते नजर आ रही हैं। मनु ने ओलंपिक के एक ही सत्र दो व्यक्तिगत पदक जीतकर रिकार्ड बनाया था। वह इसके बाद से ही बेहद लोकप्रिय हो गयी हैं। चेन्नई के एक स्कूल में हुए सम्मान समारोह में मनु ने कहा, टोक्यो ओलंपिक से असफल लौटने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना बहुत कठिन था। मैं दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी थी, लेकिन मैंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे हारने और फिर जीतने का स्वाद पता है। यही तो खेलों की खूबसूरती है। एक प्रतियोगिता आप हारते हैं, तो आप दूसरी जीत सकते हैं। लेकिन, यह तभी होगा जब आप कड़ी मेहनत करेंगे। युवा छात्रों से करियर के विकल्प के रूप में खेल को अपनाने को लेकर इस निशानेबाज ने बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें बहुत मेहनत और प्रयास करना चाहिए। हमारे पास करियर के लिए कई विकल्प हैं। आपको डॉक्टर या इंजीनियर ही बनने की जरूरत नहीं है। खेलों को भी चुन सकते हैं।

फिर रिंग में उतरेंगे टायसन

न्यूयॉर्क । पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नहीं हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वहीं जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के बाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हूं काई और नहीं । कोई भी इस प्रकार के जोखिम नहीं उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं। मेरे अलावा कोई रिंग में उतरने तैयार भी नहीं होगा। इस दौरान टायसन के प्रशंसकों ने उसके समर्थन में नारे लगाए जबकि विरोधी पॉल का मजाक उड़ाया। टायसन और पॉल के बीच की यह मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था पर तब टायसन को अल्सर की समस्या होने के कारण इसे टाल दिया गया था। यह मुकाबला अब 15 नवंबर को टेक्सास के आर्लिंगटन में होगा। टायसन ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने दो या तीन सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस मुकाबले के लिए तैयार हूं।

जहीर खान बन सकते हैं लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर, 2 और टीमें कर रही संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बनने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स अपने कोचिंग सेटअप में जहीर खान को जोड़ना चाह रही। ऐसा माना जा रहा है कि दो अन्य फ्रेंचाइजी भी जहीर को टीम में शामिल करने के लिए इच्छुक थीं, जो हाल ही मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास के प्रमुख थे इससे पहले वह 2018-2022 तक फ्रेंचाइजी के क्रिकेट डायरेक्ट थे।

पिछले साल के आखिर में गौतम गंभीर के जाने के बाद से लखनऊ सुपर जायंट्स बिना किसी मेंटर के है। गंभीर, जो उस सपोर्ट ग्रुप का हिस्सा थे जिसने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपना तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में मदद की थी। इसके बाद वो भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच बन गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल, जो एलएसजी के गेंदबाजी कोच थे, अब उसी भूमिका में भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं।

मेंटर की भूमिका के अलावा, लखनऊ सुपर जायंट्स जहीर को और बड़ी भूमिका देना चाहती है। ऑफ सीजन के दौरान टैलेंट स्काउटिंग और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम में भी वो शामिल हो सकते हैं। लखनऊ के बैकरूम का नेतृत्व वर्तमान में जस्टिन लैंगर कर रहे हैं। जिन्होंने आईपीएल 2024 से पहले एंडी फ्लावर की जगह मुख्य कोच के रूप में काम किया है, उनके सहायक के रूप में लांसस क्लूजनर और एडम वोजेस हैं। अपने पहले दो सीजन में प्लेऑफ बर्थ हासिल करने के बाद, केएल राहुल की अगुवाई वाली टीम 2024 में टॉप चार में जगह बनाने के लिए नेट रन रेट पर पिछड़ गई।

रौनक दहिया ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

अम्मान (जॉर्डन)। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे। उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा। अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज़ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।' 'साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया। देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं थीं। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे।.' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

भारतीय पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल हुआ पेरिस रवाना

नई दिल्ली। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल पेरिस पैरालंपिक 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। इस दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी हैं। इससे दल को पेरिस में स्थानीय परिस्थितियों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी। इस बार 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। यह अब तक सबसे बड़ा दल है। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, 'हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान बहुत परिश्रम किया है। समय पूर्व वहां पहुंचकर पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी।' पीसीआई के मुख्य कार्यकारी राहुल स्वामी ने कहा, 'पैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी का चरण उन्हें खेलों की शुरुआत में अपने चरम पर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा।' कोबे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने कहा, 'मुझे पेरिस पैरालिंपिक में अपने कोबे चैंपियनशिप के प्रदर्शन को दोहराने का भरोसा है। तैयारी बहुत अच्छी रही है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।' ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

भारत की टीम काफी मजबूत है

उन्होंने कहा, 'हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।' भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।'

संन्यास पर बोले स्टार्क

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।'

टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालॉनगा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चारों धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

इतने दिनों का होगा टूर पैकेज

भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पैकेज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है। आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों का है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन

रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2022 को नागपुर से शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई यात्रा के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रेन रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का अलग से शुल्क पड़ेगा।

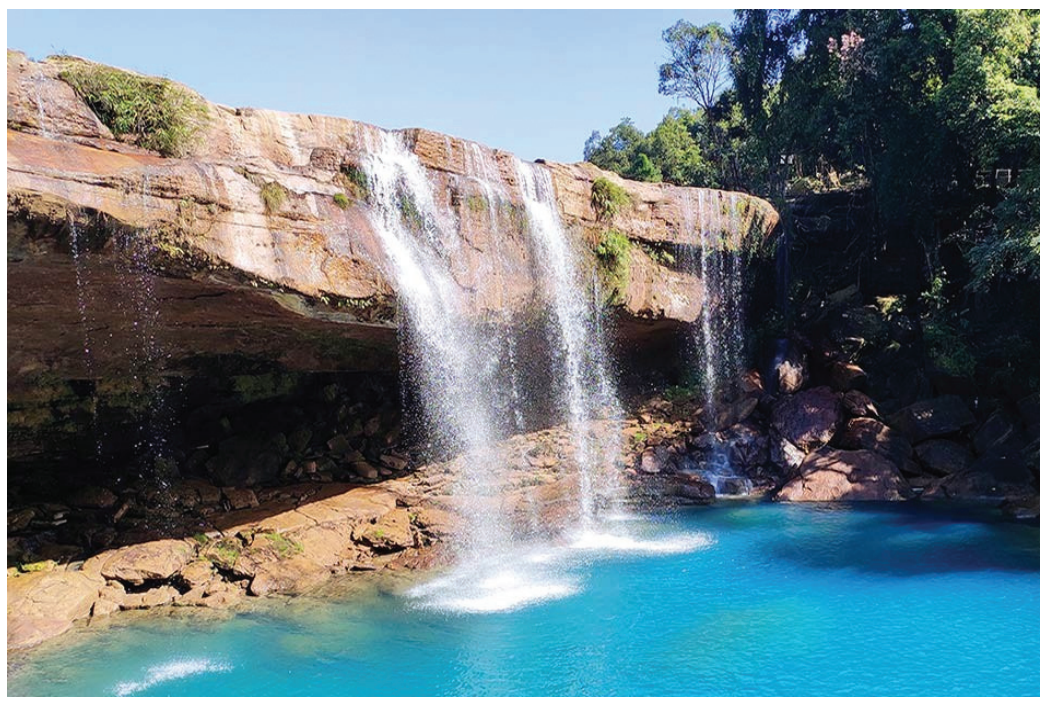

मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय- मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। निःसंदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पोधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का सग्रंह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबंधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है।

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियों चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खीचेंगे डांन बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं।

1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली घास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरनो के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देंखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए।

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यू के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यहीं घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी है जैसे मारग्रेट फांल, बिशप फांल, स्वीट फांल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब 10 किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपड़े ले जाना गलत नहीं होगा।

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधंक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

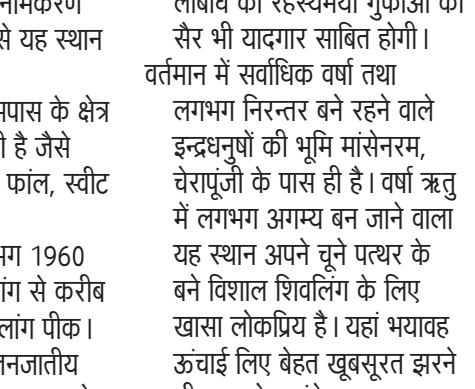

मेघालय की अन्य दो पहाड़ियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौरे लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग 64 किमी. दूर हैं। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती है की। जयन्तियां राजा तथा विदेशी आक्रमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसेनरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। 4 दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनक्लामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग क्रेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक ठंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता है।

ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइउद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

अजमेर शरीफ़

अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा से 437 किमी। पैदल चलकर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढ़ाते हैं।

आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद गोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढ़ाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

तारागढ़ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की नसियां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर हैं। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब... पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में घुसी भीड़

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईश निंदा के फैसले से नाराज सैकड़ों कट्टरपंथियों की भीड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर धावा बोल दिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा की आलोचना की। उन्होंने एक अहमदिया व्यक्ति को राइट टु रिलीजन के तहत ईशनिंदा के आरोपों से बरी किया था। यह घटना सोमवार की है, लेकिन मीडिया पर इसका वीडियो अब सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व आलमी मजलिस तहफ्फुज-ए-नबूवत कर रही थी। इसमें उनका साथ जमात-ए-इस्लामी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेता भी दे रहे थे। वे पाकिस्तान के चीफ जस्टिस का इस्तीफा मांग रहे थे। उनकी मांग थी कि अदालत अपने फैसले को बदले। रिपोर्ट में कहा गया कि हजारों प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया। वे इमारत के नजदीक पहुंच गए। उन्हें कोर्ट में घुसने से रोकने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया। अब प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन आलमी मजलिस ने सुप्रीम को अपने फैसले की समीक्षा के लिए सात सितंबर तक का वक्त दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक विवाद की शुरुआत इस साल 6 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदिया समुदाय के मुबारक अहमद सानी को रिहा करने का आदेश दिया था। सानी को जनवरी 2023 में गिरफ्तार किया गया था। सानी पर आरोप था कि उसने 2019 में एक कॉलेज में एफसीर-ए-सगीर बांटा था। एफसीर-ए-सगीर, अहमदिया समुदाय से जुड़ी एक धार्मिक किताब है। इसमें अहमदिया संप्रदाय के संस्थापक के बेटे मिर्जा बशीर अहमद ने कुरान की व्याख्या अपने हिसाब से की है। सानी को कुरान (प्रिंटिंग एंड रिकॉर्डिंग) (संशोधन) एक्ट, 2021 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

क्या है मदीना मॉडल.....भारत में दिखाई देती है जिसकी खूबसूरती, जमात-ए-इस्लामी के नेता का बयान

ढाका। जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. शफीकुर रहमान का कहना है कि 'हम विचारधारा पर चलने वाली पार्टी हैं। कोशिश होगी कि बांग्लादेश को अपनी विचारधारा से चलाएं। इस्लाम हर किसी को जगह देता है। ये देश में सिर्फ मुस्लिमों को ही रहने क इजाजत नहीं देता, बल्कि हर कम्युनिटी सुरक्षा और सम्मान के साथ रह सकती है। यही मदीना मॉडल है। भारत में भी आप इस्लाम की खूबसूरती देख सकते हैं।' बांग्लादेश में जो हुआ उसके पर कहते हैं कि यह छात्रों की ताकत थी। वे अपना अधिकार मांग रहे थे। उनकी मांग सही थी, लेकिन शेख हसीना सरकार ने सख्ती दिखाई। सरकार के रवैए की वजह से आंदोलन हिंसक हो गया। कितनी जानें चली गईं। फोर्स के लोगों की भी मौत हुई है। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनैतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. रहमान ने कहा कि बांग्लादेश को संविधान और लोकतंत्र से चलना चाहिए या इस्लामिक कानून से जैसे सवाल पर उन्होंने अपनी दलील रखी है। जमात के लीडर्स पर कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप लगते रहे हैं। आरोप ये भी है कि शेख हसीना के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन में जमात का कैडर शामिल था। जमात-ए-इस्लामी खुद को पाकिस्तान परस्त बताती रही है। हालांकि डॉ.रहमान ने कहा कि पाकिस्तान के लिए कुछ भी स्पेशल नहीं है। भारत के बारे में कहा कि हम बराबरी वाला रिश्ता रखना चाहते है।

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला की 117 वर्ष की उम्र में मौत

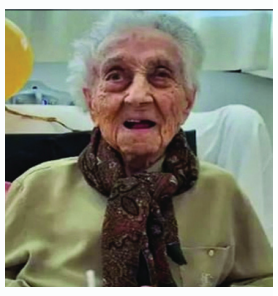

मैड्रिड । अमेरिकी मूल की स्पेनिश महिला ब्रान्यास का 117 साल की उम्र में निधन हो गया है। जेरोनटोलॉजी रिसर्च ग्रुप के अनुसार पिछले वर्ष फ्रांसीसी नन ल्यूसिल की मृत्यु होने के पश्चात ब्रान्यास दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला थी। उनके परिवार जनों का कहना है। वह जैसे अपनी मृत्यु को चाहती थी। वैसी ही उन्हें मृत्यु मिली है।पूरे होशो हवास में उनकी मृत्यु हुई है।

पश्चिमी टेक्सास में विमान बिजली के खंबे से टकराकर गिरा, दो की मौत

टेक्सास। पश्चिमी टेक्सास के पास छोटा विमान क्रेश हो गया। दुर्घटना में विमान पायलट और एक यात्री की मौत हो गई। एक महिला घायल भी हुई है। मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ओडेसा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद विमान ज्यादा ऊंचाई तक नहीं जा सका और एक बिजली के खंभे से जा टकराकर एक गली में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पायलट ने घरों को बचाने की पूरी कोशिश की। विमान में दुर्घटना के बाद विस्फोट हुए और विमान का मलबा नीचे गिरा जिससे कुछ मकानों में आग लग गई। एक जलते हुए घर से महिला को बचाया गया वह आग से झुलस गई थी उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग से वाहनों, तारबंदी और एक रेस्तरां को भी नुकसान पहुंचा है। टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग ने पायलट की पहचान ह्यूस्टन के उपनगर बेलेयर निवासी जोसेफ विंसेंट सुम्मा (48) के रूप में की और यात्री की पहचान ह्यूस्टन के पूर्व में स्थित ऑरेंज निवासी जोलीन कैवेरेटा वेदरली (49) के रूप में की गई है। संघीय विमानन प्रशासन ने कहा कि विमान सेसना साइटेशन बिजनेस जेट था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस मामले की जांच करेगा।

क्या है मदीना मॉडल.....भारत में दिखाई देती है जिसकी खूबसूरती

-जमात-ए-इस्लामी के नेता का बयान

ढाका । जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. शफीकुर रहमान का कहना है कि 'हम विचारधारा पर चलने वाली पार्टी हैं। कोशिश होगी कि बांग्लादेश को अपनी विचारधारा से चलाएं। इस्लाम हर किसी को जगह देता है। ये देश में सिर्फ मुस्लिमों को ही रहने क इजाजत नहीं देता, बल्कि हर कम्युनिटी सुरक्षा और सम्मान के साथ रह सकती है। यही मदीना मॉडल है। भारत में भी आप इस्लाम की खूबसूरती देख सकते हैं।' बांग्लादेश में जो हुआ उसके पर कहते हैं कि यह छात्रों की ताकत थी। वे अपना अधिकार मांग रहे थे। उनकी मांग सही थी, लेकिन शेख हसीना सरकार ने सख्ती दिखाई। सरकार के रवैए की वजह से आंदोलन हिंसक हो गया। कितनी जानें चली गईं। फोर्स के लोगों की भी मौत हुई है। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनैतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. रहमान ने कहा कि बांग्लादेश को संविधान और लोकतंत्र से चलना चाहिए या इस्लामिक कानून से जैसे सवाल पर उन्होंने अपनी दलील रखी है। जमात के लीडर्स पर कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप लगते रहे हैं। आरोप ये भी है कि शेख हसीना के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन में जमात का कैडर शामिल था। जमात-ए-इस्लामी खुद को पाकिस्तान परस्त बताती रही है। हालांकि डॉ.रहमान ने कहा कि पाकिस्तान के लिए कुछ भी स्पेशल नहीं है। भारत के बारे में कहा कि हम बराबरी वाला रिश्ता रखना चाहते है।

यूक्रेन में रुसी ड्रोन हमले में धवस्त एक ढ़ांचागत केन्द्र में लगी आग बुझाते हुए दमकलकर्मी।

फिर जगी उम्मीद... इजरायल और हमास के बीच शांतिवार्ता के प्रयास

-अमेरिका के नेतृत्व में अगले सप्ताह काहिरा में बैठक

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच पिछले हफ्ते दोहा में एक शांति वार्ता हुई थी। जिसमें दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर एक ड्राफ्ट तैयार हुआ। तब कहा गया था कि अगले हफ्ते मिस्र के काहिरा शहर में जो वार्ता होगी, उसमें सीजफायर का ऐलान होगा। शांति वार्ता में शामिल होने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजरायल की राजधानी तेल अवीव पहुंच चुके हैं। अमेरिका के अलावा शांति वार्ता में मिस्र और कतर भी शामिल हैं। अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों को यकीन है कि इस बार जंग रोकने के लिए कोई न कोई हल जरूर निकलेगा।

एक ओर सीजफायर का ऐलान होने की बात हो रही है। वहीं, इजरायल ने हमास पर रॉकेटों की बारिश कर दी है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी शहर जबालिया में एक रिहायशी इमारत के दो अपार्टमेंट्स पर हमला हुआ, जिसमें एक ही परिवार के कम से कम 19 लोग मारे गए। उधर, जेनिन में इजरायली सेना ने ड्रोन से हमला कर हमास के दो कमांडरों को मार गिराया। मारे गए दोनों लोग हमास के लोकल कमांडर राफत दवासी और अहमद अबू आरा हैं।

बातचीत कौन कर रहा है?

इजरायल के प्रतिनिधिमंडल में आमतौर पर मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया शामिल होते हैं। उनके अलावा रोनेन बार, शिन बेट या आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के प्रमुख और मेजर जनरल नित्ज़न अलोन बंधक मामलों के लिए सेना के प्रतिनिधि के तौर पर होते हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सहयोगी ओफिर फाल्क ने भी प्रधानमंत्री की आंख और कान के रूप में कुछ वार्ताओं में भाग लिया है। पिछले दौर में, बातचीत करने वाली टीम के सदस्यों ने कथित तौर पर फॉल्क को बैठकों में शामिल करने से इंकार किया था।

हमास की टीम का नेतृत्व अनौपचारिक विदेश मंत्री खलील अल-हया करते हैं, जो कतर में रहते हैं। हय्या राजनीतिक प्रमुख हनिएह की करीबी थीं, जिनकी पिछले महीने हत्या कर दी गई थी। गाजा में अपने संकटग्रस्त नेता याह्या सिनवार को पोलित ब्यूरो का नया प्रमुख बनाने के समूह के फैसले का वार्ता पर बहुत कम व्यावहारिक प्रभाव है, लेकिन कुल मिलाकर यह समूह की ओर से अधिक कठोर रुख का संकेत है। वार्ता की मध्यस्थता अमेरिका, कतर और मिस्र ने की है। सीआईए के निदेशक, विलियम बर्न्स, कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री, शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्र के खुफिया प्रमुख और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के दाहिने हाथ अब्बास कामेल ने अधिकांश वार्ताओं में भाग लिया है।

क्या हुआ था नवंबर में

पिछले साल नवंबर में इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम केवल एक सप्ताह में समाप्त हो गया था। तुरंत ही हमास ने इजरायल पर रॉकेटों की बौछार की और इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में युद्ध अभियान फिर से शुरू कर दिया। एक बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई युद्ध जल्द समाप्त नहीं होगा। प्रत्येक पक्ष ने वार्ता में विफलता के लिए दूसरे को दोषी ठहराया। हमास द्वारा संचालित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि इजरायली हवाई हमलों में 15,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

हम सब मिलकर आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करेंगे, अमेरिका राष्ट्रपति पद का चुनाव : हैरिस के समर्थन में उतरे ओबामा

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए नवंबर में चुनाव होना है। इसके लिए चुनाव प्रचार अभियान जोरों पर है। बाइडेन के बाद राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने विस्कॉन्सिन में एक जनसभा की। वहीं पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा ने शिकागो में हैरिस के समर्थन में लोगों को संबोधित किया। ओबामा ने शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेशन में कहा कि मुझे उम्मीद है आप हैरिस के पक्ष में हैं। इससे पहले मिशेल ने जनसभा में कहा कि हवा में कुछ जादुई सा है, क्या ऐसा नहीं है? उन्होंने कहा कि अमेरिका में उम्मीद लौट रही है। इससे पहले, राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैरिस ने विस्कॉन्सिन में कहा कि वह एक जन-संचालित प्रचार अभियान कर रही हैं। विस्कॉन्सिन में पिछले महीने रिपब्लिकन पार्टी का सम्मेलन हुआ था। हैरिस ने कहा कि हम सब मिलकर आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करेंगे। स्वतंत्रता, अवसर, आशावाद और विश्वास का भविष्य बनाएंगे। वहीं अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि इतिहास जो बाइडन को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने खतरे के समय में लोकतंत्र की रक्षा की। जो, शुक्रिया। मुझे उन्हें अपना राष्ट्रपति कहने में गर्व होता है, लेकिन मुझे उससे भी ज्यादा गर्व इस बात पर है कि वह मेरे मित्र हैं। सांसद चक शूमर और बर्नी सैंडर्स ने भी हैरिस की तारीफ की। इस प्रचार अभियान में डोनाल्ड ट्रंप की पूर्व प्रेस सचिव और उनकी कट्टर आलोचक स्टेफनी ग्रिशम ने भी हैरिस की तारीफ करते हुए कहा कि ट्रंप में कोई सहानुभूति, कोई नैतिकता और सच्चाई के प्रति कोई निष्ठा नहीं है। मैं अपनी पार्टी से ज्यादा अपने देश से प्यार करती हूं। हैरिस सच बोलती है। वह अमेरिकी लोगों का सम्मान करती है और मेरा वोट उनके साथ है।

बाइडेन ने भावुक होकर डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान कमला को सौंपी

-अमेरिका इतिहास में ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान आधिकारिक तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को सौंप दी। उन्होंने कमला को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबसे उपयुक्त करार देकर कहा कि वे एक 'ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी। बाइडन जब यह ऐलान कर रहे थे, तब माहौल काफी भावुक था। इस दौरान बाइडन की बेटी एशले उनका हाथ थामे दिखीं, वहीं भावुक बाइडन अपने आंसू पोंछते दिखाई दिए। 81 साल के बाइडन जब शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे, तब वहां मौजूद हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने प्लेकॉर्ड ले रखा था, जिसमें लिखा था, 'वी लव जो।

इस दौरान मंच पर बाइडन का हाथ थामे उनकी बेटी एश्ले ने कहा, आप हमेशा हमें बताते हैं, लेकिन हम आपको उतना नहीं बताते कि आप हमारी जिंदगी का प्यार हैं और हमारे प्यार की जिंदगी। बेटी के ये शब्द सुनते ही बाइडन की आंखों से आंसू छलक उठे। उन्होंने शिकागो कन्वेंशन में उत्साह से भरपूर नेताओं और कार्यकर्ताओं से सवाल किया, 'क्या आप कमला को अमेरिकी की राष्ट्रपति चुनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने देशवासियों से कमला के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

बाइडन ने दावा किया कि कमला एक ऐतिहासिक' राष्ट्रपति साबित होंगी। उन्होंने कहा, मुझे अपने काम से प्यार है। हमें अपने लोकतंत्र को बचाए रखने की जरूरत है।हमें डोनाल्ड ट्रंप को हराने और कमला और टिम (वाल्ज) को को चुनने के लिए आपकी जरूरत है। बाइडन ने कहा कि ट्रंप को 2024 में महिलाओं की ताकत का अंदाजा लगेगा। उन्होंने कहा कि कमला जल्द अमेरिका की 47वीं राष्ट्रपति के रूप में सेवाएं देंगी।

इस दौरान बाइडन ने ट्रंप पर निशाना साधकर कहा कि वे एक असफल राष्ट्रपति थे। पूर्व राष्ट्रपति पर अमेरिकी इतिहास के सबसे मजबूत सीमा सुरक्षा बिल को खारिज करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, अमेरिका जीत रहा है।अमेरिका समृद्ध है। ट्रंप के (राष्ट्रपति) कार्यकाल की तुलना में अमेरिका आज अधिक सुरक्षित है।

ह्यूस्टन में हनुमानजी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा

ह्यूस्टन (एजेंसी)। ह्यूस्टन में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 90 फीट ऊंची हनुमान जी की मूर्ति का अनावरण हुआ है। इस प्रतिमा का नाम स्टैच्यू ऑफ यूनियन रखा गया है। जानकारी के मुताबिक यह मूर्ति श्री राम और सीता के पुनर्मिलन में भगवान हनुमान की भूमिका को याद करती है। इस प्रतिमा का नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' रखा गया है। यह मंदिर टेक्सास के शुगर लैंड में श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में बनाया गया है। टेक्सास के ह्यूस्टन में हनुमान जी की विशाल प्रतिमा को लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ये अमेरिका में हनुमान जी की तीसरी सबसे बड़ी मूर्ति है। इस प्रतिमा का नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन रखा गया है। इस परियोजना के पीछे दूरदर्शी परम पावन श्री चिन्नाजीयर स्वामीजी हैं।

जब तक स्वयंसेवी लड़ाके मेरे पास मुझे कोई हरा नहीं सकता: पुतिन

-अचानक चेचन्या पहुंचे रुसी राष्ट्रपति, दबंग नेता रमजान से मिले

ब्रोजनी (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेचन्या का अचानक दौरा किया। यह करीब पिछले 13 साल में चेचन्या का उनका पहला दौरा है। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेन सीमा पार से पश्चिमी रूस में तीन सप्ताह से लगातार हमले कर रहा है।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है। इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है। पुतिन का स्वागत चेचन्या के दबंग नेता रमजान कादिरोव ने किया। पुतिन ने वहां विशेष बल अकादमी का दौरा किया और यूक्रेन में तैनात होने से पहले वहां प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवी लड़ाकों से बातचीत की। इस अकादमी का नाम पुतिन के नाम पर ही रखा गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने इन स्वयंसेवी लड़ाकों की तारीफ की और कहा कि जब तक रूस के पास उनके जैसे लोग मौजूद हैं, तब तक उसे कोई हरा नहीं सकता। कादिरोव ने एक पोस्ट में कहा कि मॉस्को ने यूक्रेन में अपना विशेष सैन्य अभियान शुरू करने के बाद से स्वयंसेवकों समेत 47,000 से ज्यादा लड़ाके इस केंद्र में ट्रेनिंग ले चुके हैं। चेचन्या के लड़ाके यूक्रेन के साथ संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से लड़ रहे हैं

बता दें सोवियत संघ के पतन के बाद आजादी के समर्थक लड़ाकों का रूसी बलों के साथ सालों तक युद्ध चला। दिवंगत चेचन नेता जोखर दुदायेव के वफादार कीव समर्थक स्वयंसेवक पुतिन और कादिरोव का समर्थन करने वाली चेचन सेना के कट्टर दुश्मन हैं। जोखर दुदायेव आजादी समर्थक नेता थे। पुतिन कादिरोव के पिता और पूर्व चेचन नेता अखमत कादिरोव की कब्र और ग्रोज्नी की एक मस्जिद में भी गए।

थैंक यू जो, वी लव यू... के नारों के बीच इमोशनल हुए वाइडेन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का फेयरवेल कार्यक्रम का आयोजन था। इस मौके पर वी लव यू... के नारों से पूरा सभागार गूंज गया। वाइडेन के प्रति लोगों को लगाव और स्नेह ने उन्हे भावुक कर दिया। डेमोक्रेटिक पार्टी के हजारों लोग मौजूद थे और सभी ने जो बाइडेन के सम्मान में खड़े होकर विदाई दी। शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन था, जिसमें जो बाइडेन के लिए फेयरवेल का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने राष्ट्रपति के तौर पर जो बाइडेन की सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया। खासतौर पर पार्टी के तमाम नेताओं ने राष्ट्रपति पद की रेस से पीछे हटने के लिए उनकी सराहना की।

जो बाइडेन ने कहा कि मैं इस बात के लिए आभारी हूं कि मुझे मौका दिया गया। मुझसे कुछ गलतियां भी हुई हैं, लेकिन पूरी मेहनत की है। मैंने बीते 50 सालों से देश की राजनीतिक व्यवस्था में काम किया। वहीं कमला हैरिस की जमकर तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह मेरा सही फैसला था। वह अनुभवी और कठिन फैसले लेने वाली हैं। उनकी कहानी अमेरिका की कहानी का प्रतिनिधित्व करती है।

जो बाइडेन एक डिबेट में लगभग सो गए थे। इसके अलावा वह बीमार रह रहे थे। उन्होंने अपनी बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए अंत में खुद को राष्ट्रपति पद की रेस से पीछे खींच लिया था और कमला हैरिस का नाम आगे बढ़ाया था। अब डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले डेमोक्रेटिक पार्टी से कमला हैरिस ही उम्मीदवार हैं। जो बाइडेन की फेयरवेल पार्टी में कमला हैरिस भी भावुक दिखीं। वहीं जो बाइडेन की तो आंखों से आंसू बहते दिखे। जो बाइडेन ने विदाई भाषण में अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं तो वहीं डोनाल्ड ट्रंप की जीत होने की स्थिति में लोकतंत्र को लेकर चिंता जताई।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि स्थिति विपरीत है, जब एक राष्ट्रपति जा रहा है और यह डेमोक्रेटिक पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव का दौर है। जो बाइडेन ने कहा, यह मेरे लिए पूरी जिंदगी सम्मान की बात रहेगी कि मैंने राष्ट्रपति के तौर पर काम किया। मैंने अपने काम से प्यार किया है, लेकिन देश से उससे भी ज्यादा प्यार करता हूं। मैं अपने देश को बहुत प्यार करता हूं। यही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति पद की रेस से हटते हुए मेरे मन में कोई गुस्सा या मलाल नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी सारी खबरें गलत हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि मैं उन लोगों से नाराज हूं जिन्होंने मुझे हटने के लिए कहा।

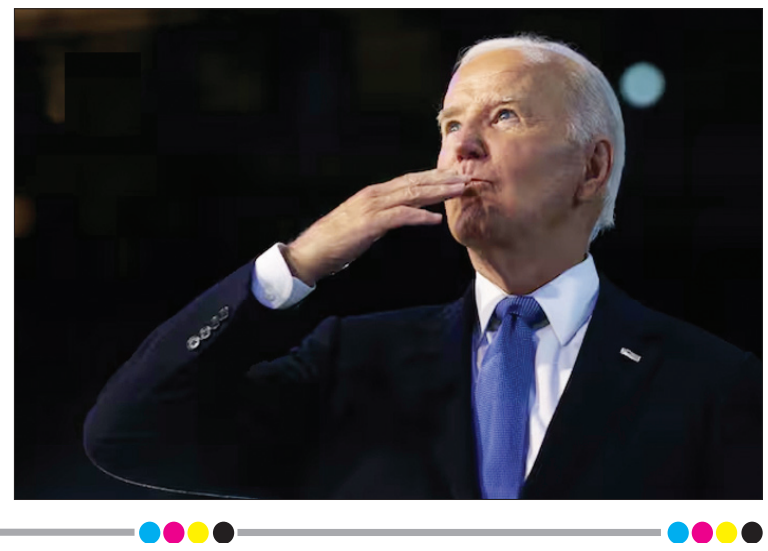

बेटे की इच्छामृत्यु की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट क्यों पहुंचे दंपत्ति

नई दिल्ली। क्या कोई माता-पिता अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की डिमांड कर सकता है? सुनने में थोड़ा अजीब जरुर लेकिन दिल्ली के एक दंपत्ती ने ऐसी ही गुहार लगाई है।उन्होंने अपने 30 साल के बेटे के लिए इच्छामृत्यु की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि करीब 11 साल से ज्यादा हो गया, उनका बेटा वेजिटेटिव स्टेट पर है।वहां मेडिकल सपोर्ट सिस्टम के द्वारा किसी तरह जिंदा है।हालांकि, बेटे का इलाज महंगा है, इसमें उनकी पूरी जमापूंजी खत्म हो गई। डॉक्टरों ने भी उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं जाहिर की है।इसके बाद थककर मां-बाप ने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की अपील लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे।हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने उनकी मांग को अस्वीकार कर याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्ग माता-पिता के दर्द को समझकर सरकार से कहा कि क्या वे इस मरीज की देखभाल के लिए कोई व्यवस्था कर सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पैसिव यूथनेसिया की अनुमति नहीं दे सकते क्योंकि वहां जीवन रक्षक प्रणाली पर नहीं है, भले ही मरीज को राइल्स ट्यूब के जरिए खाना दिया जा रहा है।सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह मामला तब उठाया जब पीड़ित के माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।पूरा मामला दिल्ली के रहने वाले अशोक राणा (62) और निर्मला देवी (55) के इकलौता बेटे से जुड़ा है।वे पिछले 11 साल से गंभीर हालात में है।हुआ यूं कि साल 2011 में 30 वर्षीय युवक मोहाली में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था।तभी एक हादसे में युवक को गंभीर चोटें आई।वहां वेजीटेटिव स्टेट में चला गया।तब से लेकर आज तक युवक उसी कंडीशन में है। डॉक्टरों के मुताबिक उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है।बेटे का इलाज कराते-कराते इस बुजुर्ग दंपत्ति की सारी जमा पूंजी खत्म हो चुकी है।अब डॉक्टरों ने भी जवाब दे दिया है।

बक्सर में फिर बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर... प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर

बक्सर।बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर फिर बढ़कर चेतावनी बिंदू के पास पहुंचा हुआ है।केंद्रीय जल आयोग से बुधवार की सुबह 8 बजे मिली अपडेट के अनुसार नदी का जलस्तर 58.90 मीटर पर पहुंचा है। वहीं, नदी में जलस्तर बढ़ने की रफ्तार प्रति घंटे एक सेंटीमीटर बताया जा रहा है।बक्सर एसडीओ द्वारा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने की सूचना मिलने पर जिले के गोला घाट पर पहुंच निरीक्षण किया गया। एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा द्वारा बताया गया कि नदी का जलस्तर अभी चेतावनी बिंदू से नीचे है। इसकारण चिंता की कोई बात नहीं है। जिला प्रशासन संभावित बाढ़ क्षेत्र में अपनी राहत बचाव एसएनबी संबंधित तैयारी की हुई है। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर 8 अगस्त को तेजी से बढ़ते हुए चेतावनी बिंदू को पार कर गया था। 8 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.33 के पास पहुंच गया था। वहीं 9 अगस्त को जलस्तर बढ़ते हुए खतरे 59.49 पर पहुंच खतरे के निशान के करीब पहुंच गया था। जिसके कारण बक्सर के दर्जनों घाट का एक दूसरे से संपर्क टूट गया था। प्रसिद्ध रामरेखा घाट की सभी सीढ़ियां जल में समा गई। नदी का पानी विवाह मंडप में प्रवेश कर गया था। हालांकि 10 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.49 पर स्थिर होने के बाद 11 अगस्त से घटना शुरू हो गया। जो 16 अगस्त तक घटते हुए 57.94 के पास जा पहुंचा। इसी बीच नदी का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए एक बार फिर से तटवर्तीय लोगों की माथे पर चिंता की लकीर देखा जा रहा है।

आंध्र प्रदेश में फार्मा कंपनी के कारखाने में लगी आग, चार कर्मचारियों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अचुतापुरम में बुधवार को एक फार्मा कंपनी के कारखाने में आग लग जाने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई। अनकापल्ली की जिलाधिकारी विजय कृष्णन ने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब दो बजे एसेंटिया फार्मा कंपनी के संयंत्र में हुई। कृष्णन ने बताया, हमने चार कर्मचारियों को खो दिया। उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए करीब 30लोगों को अनकापल्ली और अचुतापुरम के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा जिलाधिकारी ने कहा कि कपंनी में फंसे 13 लोगों को बचा लिया गया है।

भारतीय वायु सेना के लडाकू विमान से कोई वस्तु गिरी, कोई जानमाल का नुकसान नहीं

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के पोखरण इलाके में बुधवार को भारतीय वायु सेना के एक लड़ाकू विमान से कोई वस्तु जमीन पर गिरी। वायुसेना ने कहा कि यह घटना सुनसान इलाके में हुई और जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। उसने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज तकनीकी खराबी के कारण पोखरण फायरिंग रेंज के पास भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान से एक 'एयर स्टोर' अनजाने में बाहर आ गया।'' उसने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं है। रामदेवरा थाने के पुलिस उपनिरीक्षक शंकर लाल ने बताया कि गांव से करीब एक किलोमीटर दूर कुछ लोगों ने जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। उनके अनुसार वहां किसी वस्तु के टुकड़े पड़े हुए थे।

कोलकाता में एक और कांड! महिला का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप

कोलकाता। कोलकाता में एक और कांड सामने आया है। आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर संग रेप-मर्डर केस के बाद अब कोलकाता के आनंदपुर इलाके में एक महिला का शव मिला है। महिला का शव खून से लथपथ है। यह महिला कौन है, कहां की है और क्या करती है, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई। फिलहाल, पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि आखिर महिला की हत्या कैसे हुई है, क्या रेप भी हुई थी? फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और महिला की जानकारी खंगाल रही है। इस घटना के बाद से लोगों के भीतर और डर बढ़ गया है। बता दें कि कोलकाता रेप कांड को लेकर पहले से ही देशभर में बवाल जारी है। इससे पहले 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से यह बात सामने आई कि हत्या से पहले ट्रेनी डॉक्टर का रेप किया गया था। इस मामले में पुलिस ने संजय रॉय को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, अब मामले की जांच सीबीआई कर रही है। अब तक कोलाकात डॉक्टर मर्डर केस की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। इसे लेकर हर जगह आक्रोश है।

सीबीआई को डर... दूसरा अक्कू ना बन जाए दरिंदा संजय

कोलकाता। कोलकाता के आरजी अस्पताल मर्डर केस में सीबीआई फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। दरिंदे संजय रॉय को लेकर सीबीआई काफी सतर्क है। दरिंदे रॉय के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। इसकारण दरिंदे को अदालत में पेश करने के लिए भी सीबीआई को माथापच्ची करनी पड़ रही है। सीबीआई को डर है कि अदालत में पेशी के दौरान दरिंदा संजय रॉय गुस्साई भीड़ के हत्थे न चढ़ जाए। इसकारण सीबीआई हर संभावित समाधानों पर विचार कर रही है। दरअसल सीबीआई को डर हैं कि अक्कू यादव कांड फिर ना हो जाए। दरअसल अक्कू यादव कांड आज से 20 साल पुराना कांड है। अक्कू यादव कोई छोटा-मोटा अपराधी नहीं था। अक्कू सीरियल किलर और रेपिस्ट था। अक्कू ने 40 से अधिक महिलाओं का रेप किया था। अक्कू नागपुर के कस्तूरबा नगर स्लम का रहने वाला था। अक्कू ने सालों तक अपने स्लम एरिया की महिलाओं का रेप किया। अक्कू ने 10 साल की उम्र से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं को हवस का शिकार बनाया। उसके खिलाफ कोई बोलने को तैयार नहीं होता था। मगर अगस्त 2004 में उसके साथ वह हुआ, जिसकी गूंज सालों तक सुनाई दी। उसके ऊपर वेबसीरीज तक बन गई। जी हां, 13 अगस्त 2004 को जब अक्कू को कोर्ट में पेश किया गया, तब वह उसका आखिरी दिन था। कोर्ट रूम में महिलाओं की खचाखच भीड़ थी। जैसे ही दरिंदा अक्कू दिखा, महिलाओं ने कानून को अपने हाथों में लिया। महिलाओं ने एक साथ पुलिसवालों और अक्कू के चेहरे पर लाल मिर्च पाउडर फेंकना शुरू किया। फिर पुलिस की गिरफ्त से अक्कू को अपने बीच कर लिया। गुस्साई महिलाओं की भीड़ के सामने पुलिस भी खौफजदा रह गई। इसके बाद महिलाओं ने अक्कू यादव पर चाकू और पत्थर से ताबड़तोड़ वार किए गए। तब तक वार किए, जब तक कि अक्कू मर न गया। 15 मिनट में ही कोर्ट रूम की सफेद मार्बल वाली फर्श लाल हो चुकी थी और दीवार पर खून ही खून के छींटे थे।

बदलापुर मामले में हुई एफआईआर में चौंकाने वाले खुलासे, आरोपी को दादा कहती थी मासूम

बदलापुर (एजेंसी)। ठाणे जिले के बदलापुर में चार साल की दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटना से उबाल है। स्कूल के शौचालय में चार वर्षीय दो बच्चियों से सफाईकर्मी द्वारा कथित यौन उत्पीड़न किये जाने के बाद, हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन की पटरियों को रोक दिया और विद्यालय परिसर में धावा बोल दिया। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्च किया, जो पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। नाराज अभिभावकों सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताने के लिए स्कूल भवन में तोड़फोड़ की।

इस मामले के आरोपी की पहचान अक्षय शिंदे के तौर पर हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसी बीच एक बच्ची के माता-पिता की तरफ से दर्ज कराई शिकायत से सामने आया है कि शिंदे ने कैसे वारदात को अंजाम दिया।एफआईआर में इस बात का जिक्र है कि स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर काम करने वाले ने बच्ची का यौन शोषण किया है। रिपोर्ट में एफआईआर के हवाले से बताया गया है कि घटना 13 अगस्त को सुबह 9 बजे से 12 बजे के बीच हुई। इनमें से एक बच्ची के परिवार को 13 अगस्त को दूसरी बच्ची के परिवार से बात करने के बाद कुछ शक हुआ। दूसरी बच्ची के परिवार ने बताया कि वो यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं।

एफआईआर में कहा गया है कि इसके बाद बच्ची के पिता ने भी उसका मेडिकल टेस्ट कराने का फैसला किया। शिकायत में बताया गया है कि मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची का हाइमन टूटने की बात सामने आई है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि बच्ची बहुत डरी हुई थी और उसने परिवार को बताया कि स्कूल में दादा ने उसके कपड़े उतारे और निजी अंगों को छुआ था।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि परिवार ने कहा है कि उन्होंने 16 अगस्त को इस घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया था। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पुलिस ने 12 घंटों के बाद 16 अगस्त को रात 9 बजे एफआईआर दर्ज की थी।

बदलापुर मामले में टीएमसी सांसद ने की शिंदे सरकार की आलोचना

-बोलीं-महाराष्ट्र पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से कर दिया था इनकार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में दो मासूम छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर शिंदे

सरकार की आलोचना की है। उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस की प्रतिक्रिया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप -हत्याकांड पर कोलकाता पुलिस की कार्रवाई के बीच तुलना की। कोलकाता में रेप-हत्याकांड के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और बंगाल सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की जा रही है। मोइत्रा ने कहा कि बदलापुर मामले के विपरीत जहां महाराष्ट्र पुलिस ने कई दिनों तक प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया था। कोलकाता पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर रेप-हत्याकांड में आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया था। महुआ ने बुधवार को ट्वीट किया कि आरजी कर मामले में पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की गई थी। महाराष्ट्र में पुलिस ने कई दिनों तक एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। यह असली गैर-लोकतांत्रिक गठबंधन है। बता दें महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में सफाई कर्मचारी ने तीन और चार साल की दो मासूम छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के बाद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। गुस्साए लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ की और भीड़ ने ट्रेन सेवाओं को बाधित कर दिया था।

छात्राओं से यौन उत्पीड़न मामले में सांसद सुले ने किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

-शहर में तनाव के चलते बंद की गई इंटरनेट सेवाएं बहाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं के साथ बदलापुर के एक स्कूल में दो छात्राओं के साथ हुए यौन उत्पीड़न को लेकर शिंदे सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से इस मामले में आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिए जाने की मांग की। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के सफाईकर्मी ने दो छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न को लेकर तनाव बढ़ने के बाद इंटरनेट को बंद कर दिया गया था, जिसके बाद इसे बहाल कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा कि वह इस मामले की जांच के लिए बदलापुर एक टीम भेजेगा।

स्कूल के शौचालय में चार साल दो मासूम छात्राओं से सफाईकर्मी द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन पर हंगामा किया और जिससे कई ट्रेन प्रभावित हुई थीं बदलापुर स्टेशन पर, उग्र प्रदर्शनकारियों को पुलिस अधिकारियों के खिलाफ ''हाय-हाय'' के नारे लगाते और यौन उत्पीड़न में कथित तौर पर संलिप्त सफाईकर्मी को फांसी देने की मांग करते देखा गया। इसके साथ स्कूल परिसर में धावा बोल दिया था। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजी, क्योंकि वह पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। आक्रोशित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताते हुए स्कूल में तोड़फोड़ भी की थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि उन्होंने आईपीएस आरती सिंह की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की त्वरित अदालत में सुनवाई होगी और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

14 साल बाद भारत में मिला पोलियो का मामला... डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 साल बाद पोलियो ने भारत को फिर डराया है। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले के दूरदराज गांव में दो साल के बच्चे में पोलियो के लक्षण मिले है। भारत आधिकारिक तौर पर 2014 से पोलियो मुक्त राज्य है। पोलियो का अंतिम मामला 2011 में सामने आया था। नए मामले के सामने आने के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अलर्ट जारी किया है। भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने और संभावित मामलों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा टीकाकरण अभियान भी तेज कर दिया गया है। मेघालय और असम के आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सावधानी रखी जा रही है, ताकि और कोई बच्चा पोलियो का शिकार ना हो पाए। भारत ने पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। एक समय था जब भारत में पोलियो के मामले काफी अधिक थे, लेकिन 2014 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को पोलियो-मुक्त देश घोषित कर दिया। इसका मतलब है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में पोलियो का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम- इस कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाए गए।

अलर्ट रहने की जरूरत

हालांकि भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन पोलियो वायरस का खतरा अब भी बना हुआ है। इसलिए, पोलियो के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार जारी हैं, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाए। पोलियो-मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए सतर्कता और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है, और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्यरत है। दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो वायरस अभी भी सक्रिय है, इसलिए सतर्कता और सावधानी की जरूरत है।

अमेरिका के दौरे पर जा रहे राजनाथ... जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन मुख्य मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका जाएंगे। वे अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन के निमंत्रण पर अमेरिका जा रहे है। इस दौरान वे अमेरिकी रक्षा सचिव के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग की मजबूती पर चर्चा होगी। इसके अलावा रक्षा मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक जेक सुलविन से मुलाकात करने वाले है।

पीएम मोदी की न्यूयॉर्क यात्रा से पहले रक्षा मंत्री सिंह का अमेरिका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा अमेरिका दौरे से दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के व्यापक होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री श्री सिंह भारतीय समुदाय से भी बातचीत कर सकते है।

सूत्रों का कहना है कि अपने दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी।

'कानून में बदलाव वक्त और वक्फ दोनों की जरूरत', नकवी बोले- 'टच मी नॉट' की राजनीति से आना होगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर जारी राजनीतिक विवाद के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गुरुवार (22 अगस्त) को पहली बार बैठक करने की तैयारी कर रही है, जिसमें हाल ही में संपन्न संसद सत्र के दौरान मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा की जाएगी।

यह विधेयक भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है और पार्टी के रणनीतिकार चाहते हैं कि इसे संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पारित कर दिया जाए। हालांकि, बहुत कुछ जेपीसी की रिपोर्ट पर भी निर्भर करता है। भाजपा को न केवल विपक्षी दलों को साथ लाना है, बल्कि चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान जैसे सहयोगियों को भी विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करना है। नकवी ने कहा कि इस पूरी व्यवस्था (वक्फ बोर्ड की) को 'छूओ मत' की राजनीति से बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार वक्फ व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह विधेयक लेकर आई है।

विपक्षी दलों और कुछ सहयोगी दलों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए नकवी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि वक्फ कानूनों में संशोधन किया जा रहा है, पहले भी संशोधन किए गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान संशोधन किए गए थे। सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक पर विस्तार से चर्चा, विचार-विमर्श और विश्लेषण होना चाहिए, इसीलिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। जेपीसी एक संवैधानिक संस्था है और इसकी बैठकों में इस विधेयक पर खुले मन से चर्चा होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल के पास जो भी तर्क होंगे, वे जेपीसी की बैठकों में सामने आएंगे।

विधेयक को सांप्रदायिक रंग देने के 'प्रयासों' का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इसे लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं और भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है, इसलिए सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए इस पर गहन चर्चा के लिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन समय की मांग है और यह नहीं माना जाना चाहिए कि किसी पर हमला किया जा रहा है या यह विधेयक किसी के खिलाफ है।

नक्सलवाद पर फाइनल चोट करने की तैयारी, दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ जाएंगे अमित शाह, प्रभावित राज्यों के साथ करेंगे बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 और 25 अगस्त को छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे नक्सल विरोधी अभियानों, रणनीतियों और माओवाद प्रभावित राज्यों में विकास पर उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे। शाह अपने दौरे के दौरान पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। शाह के दौरे का विस्तृत प्रोटोकॉल जल्द ही पार्टी द्वारा जारी किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री 23 अगस्त की शाम को छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे और 24 और 25 अगस्त को बैठकें करेंगे, जिसके बाद वे 25 की शाम को वापस लौटेंगे।

इस बैठक में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के पुलिस प्रमुखों के शामिल होने की संभावना है। इन राज्यों में नक्सलवाद पर लगाम लगी है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रमुख अनीश दयाल सिंह के भी इन दोनों बैठकों में शामिल होने की उम्मीद है। 25 अगस्त को गृह मंत्री सुबह समीक्षा बैठक के बाद रायपुर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्री 24 अगस्त को छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार पर एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

नक्सल विरोधी बैठक ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब गृह मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वामपंथी उग्रवाद हिंसा का भौगोलिक प्रसार काफी हद तक कम हो गया है। 2013 में 10 राज्यों में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो 2024 में घटकर केवल 38 रह गई है (अप्रैल-2024 से) जो नौ राज्यों में है- छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल।

बताया जा रहा है कि शाह नया रायपुर में कई विभागों के प्रमुख सचिवों और सचिवों, डीजीपी और राज्य तथा देश के अन्य नक्सल प्रभावित

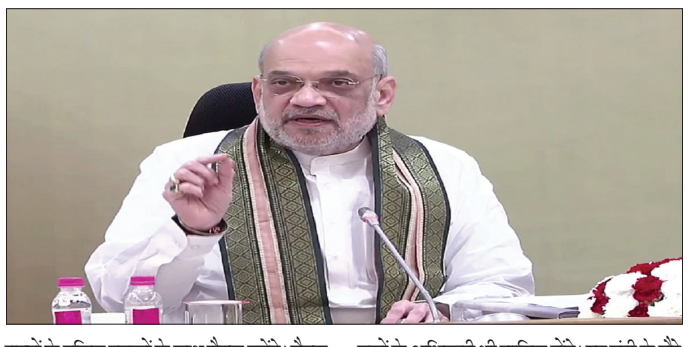

राज्यों के पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात अर्धसैनिक बलों के अधिकारी भी शामिल होंगे। गृह मंत्री के दौरे की तैयारियां जोरों पर हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हीरा चोरी के आरोपी की पत्नी, भाई, भाभी और सास ने जहरीली दवा पी ली

चारों अस्पताल में भर्ती, तीनों महिलाओं की हालत गंभीर।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में ३ महिलाओं समेत ४ ने आत्महत्या का प्रयास किया- सूरत में हीरा चोरी के आरोपी के परिवार की तीन महिलाओं समेत भाई ने जहरीली दवा पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। महिधरपुरा पुलिस ने हीरा चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया था। आरोपी की पत्नी, भाई, भाभी और माँ ने आत्महत्या की कोशिश की। चारों को स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन तीनों महिलाओं की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

पुलिस के अनुसार, जयंती महिधरपुरा पुलिस स्टेशन पहुंचा और बताया कि उसकी पत्नी नीचे पार्किंग में है और उसने दवा पी ली है। इसके बाद

आत्महत्या का प्रयास करने वाले सदस्य:

१-कविता जयंती वढेर (उम्र २४)
२-लताबेन दिलीप वढेर (उम्र २५)
३-प्रेमिला भीखा गोहेल (उम्र ४०)
४-जयंती करशनभाई वढेर (उम्र ३५)

दोनों को स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इसी बीच दिलीप की पत्नी और जयंती की सास ने भी दवा पीने की बात कही, और उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अभी यह पता नहीं लगा पाई है कि उन्होंने किस दवा का सेवन किया और यह कब और कहां किया गया। जयंती भी फिलहाल बोलने की स्थिति में नहीं है और उसका इलाज स्मीमेर अस्पताल में जारी है।

महिधरपुरा पुलिस ने विपुल से भी २० लाख रुपये के हीरे बरामद किए थे, और अब दिलीप के घर से मिले २० लाख रुपये के हीरे भी जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, जब दिलीप और गौतम को गिरफ्तार किया गया, तो उनके पिता करशनभाई ने धमकी दी कि यदि दिलीप और गौतम की गिरफ्तारी हुई, तो वे आत्महत्या कर लेंगे।

तीनों महिलाओं की हालत गंभीर

पुलिस ने चारों को रिक्षा में लेकर स्मीमेर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने दिलीप की २५ वर्षीय पत्नी लता, ३५ वर्षीय भाई जयंती करशनभाई वढेर, उसकी पत्नी कविता, और जयंती की सास प्रेमिलाबेन गोहेल को अस्पताल में दाखिल किया, जहां तीनों महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें निजी अस्पताल में भेजा गया है।

महिधरपुरा पुलिस दिलीप, गौतम और विपुल से पूछताछ कर रही थी। इस दौरान आज शाम को जयंती पुलिस स्टेशन पहुंचा और बताया कि उसकी पत्नी समेत अन्य ने जहरीली दवा पीकर आत्महत्या का प्रयास किया है। जयंती ने पुलिस को बताया कि जब वह आत्महत्या के लिए दवा की बोतल लेकर प्रयास कर रहा था, तो उसकी पत्नी ने बोतल छीनकर दवा पी ली। इसके साथ ही, जयंती की सास और दिलीप की पत्नी ने भी जहरीली दवा पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था।

पुलिस के अनुसार, हीरा चोरी के मामले में दोनों भाइयों की गिरफ्तारी के बाद और पुलिस की जांच के दौरान घर से छिपाए गए २० लाख रुपये के हीरे मिले। इस कारण से परिवार की बदनामी और बड़े भाई की नगरपालिका की नौकरी जाने के डर से आत्महत्या का प्रयास किया गया हो, ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है।

पूरी घटना क्या है?

महिधरपुरा पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वस्तादेवड़ी रोड स्थित टोरेंट पावर के पास शिवम ज्वेलर्स नामक डायमंड कंपनी है। इस कंपनी में सचिनभाई बाबूभाई नाभोया (उम्र २९, निवासी- मानकी रेसिडेंसी, सायन-अमरौली रोड, सूरत) एसोर्टमेंट विभाग में मैनेजर के रूप में काम करते हैं। उनकी कंपनी में ८ महीने पहले नौकरी पर आए कर्मचारी विपुलकुमार दशरथजी मेवाड़िया (निवासी- बहुचराजी नगर सोसाइटी, हरिओम मिल के पास, वेड रोड, सूरत, मूल निवासी- बनासकांठा) हीरे का वजन करने का काम संभालता था।

डिंडोली के PI द्वारा वकील को लात मारने की घटना पर ACP को जांच सौंपा गया

CCTV फुटेज वायरल हुए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में वकीलों द्वारा शिकायत करने के बाद, डिंडोली के पुलिस निरीक्षक (PI) द्वारा एक वकील को लात मारने की घटना का मामला गंभीर हो गया है। यह घटना CCTV फुटेज के जरिए सामने आई थी, जो वायरल हो गए हैं। इस मामले की जांच अब सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) को सौंप दी गई है।

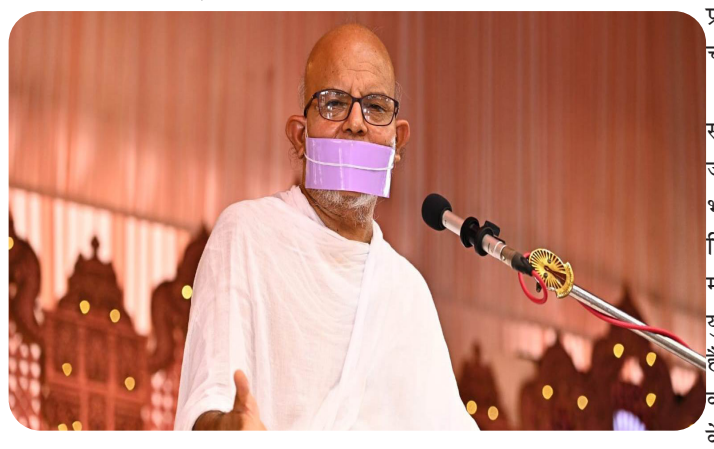

सूरत के डिंडोली पुलिस थाने के PI द्वारा वकील को लात मारने की घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। ACP वी.एम. जाडेजा इस मामले की जांच कर रहे हैं और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के CCTV फुटेज भी वायरल हो गए हैं।

इस घटना ने वकील समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है और

पुलिस की प्रतिक्रिया:

डीसीपी भगीरथ गढ़वी ने कहा कि वकील और PI के बीच हुई घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। ACP वी.एम. जाडेजा इस मामले की जांच कर रहे हैं और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

घटना CCTV में कैद

सूरत में एक पुलिसकर्मी द्वारा वकील को मारने की घटना सामने आई है। १८ अगस्त की रात को डिंडोली में नाइट पेट्रोलिंग के दौरान, एक पुलिस इंस्पेक्टर ने पीसीआर वैन से उतरकर कार के दरवाजे के पास खड़े वकील को जोरदार लात मारी। इस पूरी घटना की रिकॉर्डिंग CCTV कैमरे में कैद हो गई है।

धमकी दी। PI ने अपनी सफाई में कहा कि कुछ लोग वहां मौजूद थे और दूर जाने के लिए कहा गया था, लेकिन वकील ने जवाब दिया, जिसके बाद ऐसा कदम उठाना पड़ा।

सुरत जिला बार एसोसिएशन की शिकायत

डिंडोली के सेकंड PI एच.जे. सोलंकी द्वारा वकील को लात मारने के मामले में कोई कार्रवाई न होने के कारण, सुरत जिला बार एसोसिएशन ने क्राइम ब्रांच के जॉइंट पुलिस कमिश्नर राघवेन्द्र वत्स को एक आवेदन पत्र सौंपा।

सूरत के वकीलों की CP को की गई शिकायत

रंग लाई डिंडोली के PI एच.जे. सोलंकी ने वकील के साथ अभद्र व्यवहार किया और उसे लात मारी। इस घटना की CCTV फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसके बाद वकीलों ने पुलिस कमिश्नर के कार्यालय में जाकर शिकायत दर्ज करवाई।

फोस्टा ने की सूरत रिंगरोड कपड़ा क्षेत्र में पोस्ट ऑफिस काउंटर बढाने की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, फेडरेशन ऑफ सुरत ट्रेड एंड टेक्सटाईल एसोसिएशन(फोस्टा) द्वारा सूरत रिंगरोड कपड़ा क्षेत्र में कार्यरत पोस्ट ऑफिस में काउंटर एवं स्टाफ की संख्या बढ़ाने हेतु समबन्धित विभाग को पत्र लिखकर निवेदन किया गया.

फोस्टा अध्यक्ष कैलाश हाकिम

ने बताया कि सूरत के कपड़ा बाजार के रिंगरोड क्षेत्र जहाँ करीबन १६० कपड़ा मार्केट स्थित है और करीब ४०००० कपडा व्यापारियों की दुकाने है और यहाँ अधिकतम व्यापार की कार्यशैली पत्र व्यव्हार एवं कुरियर डाक व्यवहार पर निर्भर है. परन्तु यह बहुत ही दुःख का विषय है कि इतने बड़ी संख्या वाले कपड़ा मार्केट में मात्र और मात्र एक पोस्ट ऑफिस कार्यरत है और उसमे भी केवल एक काउंटर शुरू रहता है जो कि एक मार्केट के दुसरे फ्लोर पर स्थित है. जिसमे समय के साथ कोई भी बदलाव नही किया गया. इस पोस्ट ऑफिस में एक पोस्ट भेजने के लिए घंटो लाइन में खड़े रहना पड़ता है, जिससे व्यापारियों का काफी समय ख़राब होता है और उससे उनके व्यापार पर प्रभाव पड़ता है. सूरत के कपड़ा बाजार में हजारो लोग पत्र व्यव्हार करते है, जिससे उनकी सुविधा हेतु काउंटर की संख्या बढाकर ५ की जाये और स्टाफ भी बढाने की मांग रखी गई.

अल्पोपधि हो साधु : शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,भगवान महावीर युनिवर्सिटी में भगवान महावीर के प्रतिनिधि, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना के साथ वर्ष २०२४ का चातुर्मास कर रहे हैं. संयम विहार के रूप में ख्यापित इस चातुर्मास प्रवास स्थल में मानों निरंतर धर्म, अध्यात्म और आस्था की त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है. जहां श्रद्धालु निरंतर गोते लगा रहे हैं. भारत के विभिन्न राज्यों व क्षेत्रों से श्रद्धालु यहां अपने गुरु की निकट पर्युपासना व सेवा के लिए प्रवास कर रहे हैं. आचार्यश्री की निरंतर मंगलवाणी के श्रवण के साथ-साथ अनेक चारित्रात्माओं की सेवा, उपासना और धर्म-ध्यान का उन्हें बहुत अच्छा अवसर प्राप्त हो रहा है. इतना ही नहीं, सूरतशहरवासी भी सौभाग्य से प्राप्त इस अवसर का पूर्ण लाभ उठा रहे हैं.

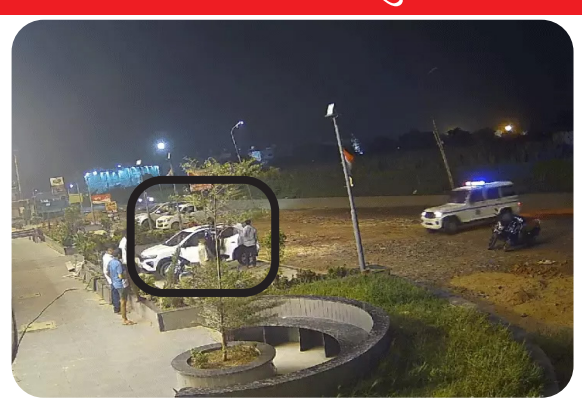

बुधवार को महावीर समवसरण भगवान महावीर के प्रतिनिधि आचार्यश्री महाश्रमणजी ने उपस्थित जनता को पावन संबोध प्रदान करते हुए कहा कि आयारो आगम में बताया गया है कि कुछ मनुष्य ऐसे होते हैं, जिनके मन में यह संकल्प होता है कि हम दीक्षित होंगे, संन्यास लेकर अपरिग्रही बनेंगे. कई बार वैसे लोग संन्यास बनने के बाद भी परिग्रही बन जाते हैं. साधु को मोह, मूर्छा और बाह्य परिग्रह अर्थात् पदार्थों के परिग्रह से बचने का प्रयास करना चाहिए. साधु अपने जीवन में बाह्य और आभ्यांतर दोनों प्रकार परिग्रहों से बचने का प्रयास करना चाहिए. आवश्यक चीजों को साथ रखा जा सकता है, किन्तु साधु को अनावश्यक पदार्थों का संग्रह नहीं करना चाहिए.

साधु को अल्पोपधि रहना चाहिए. जितनी ज्यादा चीजें रहती हैं तो जीवों की हिंसा का दोष उतना बढ़ सकता है. अल्प होने से आसानी प्रतिलेखना आदि हो सकती है और अहिंसा की साधना अबाध चल सकती है. अनावश्यक किताबों के संग्रह से भी बचने का प्रयास करना चाहिए. हिंसा और परिग्रह दोनों से अल्पोपधि होना साधु के लिए हितकर हो सकता है. परिग्रहों के बीच में रहते हुए भी पूर्ण रूप से अनासक्ति की भावना से बचने का प्रयास करना चाहिए.

साधु के पास रुपया, पैसा, सोना, चांदी आदि रहे तो साधु को आसक्ति बढ़ सकती है और साधना में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है. साधु को अच्छी साधना में मन लगाए रखे तो कभी सिद्धि की भी प्राप्ति हो सकती है. साधु के जीवन में तो वीतरागता बड़ी कोई सिद्धि नहीं हो सकती है. इसलिए साधु को अपरिग्रह से युक्त तथा परिग्रह संग्रह से मुक्त रहने का प्रयास करना चाहिए. अपरिग्रह की साधना बहुत बड़ी साधना होती है. साधु को छुपाकर भी कोई परिग्रह नहीं रखना चाहिए. साधु की साधनाकाल में अपरिग्रह से मुक्त रहने का प्रयास करना चाहिए.

सामान्य गृहस्थ जीवन में तो भले परिग्रह, हिंसा, मोह, ममता आदि से युक्त हो सकता है. महाव्रतों की साधना के कारण ही साधु सामान्य गृहस्थों से उच्च होते हैं. इसलिए साधु को अपरिग्रह की साधना का प्रयास करना चाहिए. मंगल प्रवचन के उपरान्त आचार्यश्री गजसुकुमाल मुनि के आख्यान क्रम को आगे बढ़ाया.

आचार्यश्री के मंगल प्रवचन से पूर्व साध्वीवर्या साध्वी सम्बुद्धयशाजी ने भी जनता को उद्बोधित किया. मंगल प्रवचन व आख्यान के उपरान्त अनेक तपस्वियों ने अपनी-अपनी तपस्या का प्रत्याख्यान किया. तेरापंथ कन्या मण्डल-सूरत ने चौबीसी के गीत का संगान किया.

जीवन सुविधाओं के लिए नहीं, साधना के लिए है : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. ने आज बुधवार २१ अगस्त को प्रवचन में कहा कि परमात्मा ने देशना दी. केवल अपने अंतर के करूणा के लिए अंतर में सागर बहा

वह उनकी करूणा थी. उन्होंने कहा कि मनुष्य को इन बातों का ध्यान रखना चाहिए. पहला कदम विनय का, दूसरा कदम आत्म परिक्षा का और तीसरा कदम तुम अपनी दुर्लभता का समझो, अपने गौरव को समझो. धन्य है उन तपस्वियों को जिन्होंने सारे उपद्रव्यों को जीतकर तपश्चर्या की. बाहर के उपद्रव्यों को जीतना आसान है, लेकिन भीतर के उपद्रव्यों को जीतना बड़ा मुश्किल काम है. उन्होंने कहा कि हमारे लिए चार रास्ते खुले है, नरक, तीरजगति, मनुष्य, देवगति. मकान बनाते समय हम सोचते है, लेकिन यहा से कहां जाएंगे इसके बारे में नहीं सोचते. जाना तो सबको पड़ेंगा. इसकी तैयारी करने का नाम ही उत्तराध्ययन सूत्र है. सुविधाओं के लिए जीवन नहीं है, यह जीवन साधना के लिए है। यह जीवन प्रगति के लिए है. अपने विचारों की दिशा ही तय करेंगे कि आपको अगले भव में कहां जाना है. कभी कभी लगता है धर्म भी निमित्तवासी हो गया है, बल्कि धर्म सदा का है. उन्होंने कहा कि शुभ कार्य करते समय कभी भी भूलकर भी अशुभ विचार नहीं करना चाहिए. और दूसरों की बातों में भी नहीं आना चाहिए. हमेशा अपने उल्लास को बनाए रखना चाहिए. समाज पर बोलते हुए कहा कि समाज को बाहर से डर कभी नहीं होता, भीतर वालों से ही डर ज्यादा होता है.

गुरूवार को सिद्धितप और गणधर तप बैसना है. ५० तपस्वियों का वरघोड़ा रविवार २५ अगस्त को निकलेगा, जिसमें एक मुमुक्षु का भी वरघोडा निकलेगा. और जो मुमुक्षु यहां आ रहा है दीक्षा का शुभ मुहुर्त लेने वह भी रथ में दादा गुरूदेव के चित्र को लेकर विराजमान रहेंगे. वरघोड़े की अनुठी शोभा होगी.